साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 291 | जौनपुर, गुरूवार, 18 जुलाई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

बिभव के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल के खिलाफ हमले के एक मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार के खिलाफ 50 गवाहों के साथ आरोप पत्र दायर किया। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट गौरव गोयल की अदालत में 500 पन्नों की चार्जशीट दायर की गई। विभव कुमार न्यायिक हिरासत के कारण वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अदालत में पेश हुए, जिसे मजिस्ट्रेट ने 30 जुलाई तक बढ़ा दिया है। बिभव कुमार को 30 जुलाई को अदालत में शारीरिक रूप से उपस्थित होना होगा, जब आरोप पत्र पर संज्ञान लेने के संबंध में निर्णय लिया जाएगा। आरोप पत्र में 50 गवाहों के बयान शामिल हैं। राज्यसभा में आप सांसद स्वाति मालीवाल ने विभव कुमार पर 13 मई को दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास में उनके साथ मारपीट करने का आरोप लगाया। उन्हें 27 मई, 7 जून और 12 जुलाई को जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। कुमार पर कई आरोप और आरोप हैं – गलत तरीके से रोकना, किसी महिला की गरिमा को अपमानित करने के इरादे से हमला या आपराधिक बल, किसी महिला को निर्वस्त्र करने के इरादे से हमला या आपराधिक बल, आपराधिक धमकी, एक महिला की विनम्रता का अपमान, गैर इरादतन हत्या करने का प्रयास, सबूतों को नष्ट करना। और गलत जानकारी प्रदान कर रहे हैं।

सिंधिया ने शीर्ष दूरसंचार प्रमुखों से मुलाकात की

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को दूरसंचार सेवा प्रदाताओं की हितधारक सलाहकार समिति (एसएसी) की बैठक में हिस्सा लिया। यहां उन्होंने बड़ी टेलीकॉम सर्विस देने वाली कंपनियों के मालिकों से बात की। इस बैठक में भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक एवं अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल, रिलायंस जियो के अध्यक्ष आकाश अंबानी, एयरटेल के सीईओ गोपाल विट्टल और वोडाफोन आइडिया के सीईओ अक्षय मूंदड़ा से मुलाकात की। बैठक के दौरान उद्योग जगत के नेताओं ने मंत्री को देश में 5जी क्रियान्वयन की प्रगति, दूरसंचार कम्पनियों के समक्ष चुनौतियों तथा सेवा वितरण को बढ़ाने की संभावित रणनीतियों के बारे में जानकारी दी। प्रदाताओं की सलाहकार समिति के साथ बहुत ही उपयोगी बैठक हुई। बैठक के बाद सिंधिया ने ट्वीट किया, भविष्य और विकास के अभिनव क्षेत्रों सहित क्षेत्र से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। हम एक समावेशी और कनेक्टेड भारत बनाने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उपचुनाव को लेकर सीएम योगी ने कसी कमर

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर उप चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को उन 30 मंत्रियों के साथ बैठक की, जिन्हें चुनाव वाली सीटों पर प्रभारी बनाया गया है। बैठक में मंत्रियों को सभी सीटें जीतने का टास्क देते हुए कहा कि हर हाल में 10 सीटों को जीतना है। इसके लिए मंत्री सप्ताह में कम से कम दो दिन उसी क्षेत्र में रात्रि प्रवास जरूर करें और चुनाव समाप्त होने तक वहां डंटे रहे। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को बूथ स्तर तक के सभी कार्यकर्ताओं से संवाद करने और उनकी समस्याओं का निस्तारण कराने के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही सीएम ने यह भी कहा है कि यदि कहीं कार्यकर्ताओं की समस्या सुलझाने में दिक्कत आ रही हो तो सीधे हमें बताएं। बैठक में मुख्यमंत्री ने पहले सभी मंत्रियों से अलग–अलग सीटवार चुनावी तैयारियों, जनता के बीच चर्चाओं और कार्यकर्ताओं से जुड़े मसलों पर चर्चा की। क्षेत्र में भाजपा को लेकर माहौल के बारे में फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को सबसे अधिक फोकस बूथ प्रबंधन और उससे जुड़े कार्यकर्ताओं पर करने को कहा है। दरअसल, यह उप चुनाव में सभी सीटों को जीतना भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न है। इसलिए सरकार और संगठन दोनों उप चुनाव जीतने के लिए पूरी ताकत झोंकी है। इसी कड़ी में सरकार ने अपने हर सीट पर तीन–चार मंत्रियों एक–एक की टीम बनाकर उतारा है। इस प्रकार कुल 30 मंत्रियों के कंधों पर उप चुनाव जीतने की जिम्मेदारी दी गई है। माना जा रहा है कि 10 सीटों पर बेहतर प्रदर्शन कर भाजपा लोकसभा चुनाव के घाव पर मरहम लगाना चाहती है। इसलिए मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों को क्षेत्र में पूरी सिद्दत से जुटे रहने को कहा है। भाजपा का अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर अधिक फोकस है। यह सीट अभी सपा के खाते में थी और यहां से विधायक रहे अवधेश प्रसाद ही फैजाबाद लोकसभा सीट से चुनाव जीते हैं। इसलिए भाजपा मिल्कीपुर सीट छीनने की कोशिश में जुटी है।

गुंडाराज की वापसी असंभव, 2027 चुनाव में 2017 दोहराएगी भाजपा – केशव मौर्य

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में भाजपा में दरार की अफवाहों के बीच, राज्य के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव पर कड़ा प्रहार किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यूपी के उपमुख्यमंत्री मौर्य ने अखिलेश पर तंज कसते हुए उन्हें एसपी श्बहादुरश कहा और कहा कि बीजेपी के पास देश और प्रदेश दोनों में एक मजबूत संगठन और सरकार है। इसके साथ ही उन्होंने सपा के पीडीए फॉर्मूले पर निशाना साधते हुए इसे धोखा बताया। सपा बहादुर अखिलेश यादव, भाजपा की देश और प्रदेश दोनों जगह मजबूत संगठन और सरकार है। सपा का पीडीए धोखा है। यूपी में सपा के गुंडाराज की वापसी असंभव है, भाजपा 2027 विधान सभा चुनाव में 2017 दोहरायेगी। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के एक सोशल मीडिया पोस्ट पर चर्चा के बीच, मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता योगी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के भीतर अंदरूनी कलह से तंग आ चुकी है।

भाजपा अंदरूनी झगड़ों के दलदल में धंसती जा रही है – अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। समजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी में चल रहे घटनाक्रम पर चुटकी ली। उन्होंने कहा कि भाजपा अंदरूनी झगड़ों के दलदल में धंसती जा रही है। अखिलेश यादव ने एक्स पोस्ट में लिखा कि भाजपा की कुर्सी की लड़ाई की गर्मी में, उप्र में शासन–प्रशासन ठंडे बस्ते में चला गया है। तोड़फोड़ की राजनीति का जो काम भाजपा दूसरे दलों में करती थी, अब वही काम वो अपने दल के अंदर कर रही है, इसलिए भाजपा अंदरूनी झगड़ों के दलदल में धंसती जा रही है। जनता के बारे में सोचने वाला भाजपा में कोई नहीं है। बीते दिनों लखनऊ में हुई भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति में यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के एक बयान से यूपी की सियासत में उथल–पुथल मच गई। उन्होंने अपने बयान में कहा था कि संगठन सरकार से बड़ा है, संगठन से बड़ा कोई नहीं है। हर एक कार्यकर्ता हमारा गौरव है। उनके इस बयान के बाद मंगलवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सरकार और संगठन दोनों के प्रतिनिधियों को बुलाया। बताया जा रहा है कि जेपी नड्डा ने इस बैठक में आगामी उपचुनाव को लेकर मंथन किया है। साथ ही संगठन को मजबूत करने के अलावा कार्यकर्ताओं की समस्या और जातियों में बंटे वोटरों को एकजुट करने की भी योजना पर भी चर्चा की है। यूपी बीजेपी के दो बड़े नेता केशव प्रसाद मौर्य और भूपेंद्र चौधरी को अचानक दिल्ली बुलाए जाने के बाद अटकलों का बाजार गर्म हो गया।

अभी केजरीवाल को राहत नहीं, हाईकोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी की वैधता पर बुधवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। दिल्ली शराब घोटाला मामले में सीबीआई केस में अरविंद केजरीवाल की नियमित जमानत पर दलीलें सुनने के लिए कोर्ट ने 29 जुलाई की तारीख तय की है। इसका मतलब साफ है कि केजरीवाल को अभी भी तिहाड़ जेल में ही रहना होगा। उच्च न्यायालय ने अंतरिम जमानत पर बहस भी पूरी कर ली और उस पर आदेश भी सुरक्षित रख लिया। केजरीवाल की सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी और उनकी अंतरिम जमानत की वैधता पर फैसला एक सप्ताह के भीतर एक साथ आने की संभावना है। इससे पहले केजरीवाल ने बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में कहा कि आबकारी 'घोटाला' मामले में उनकी रिहाई को रोकने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने उन्हें गिरफ्तार किया। उच्च न्यायालय ने छुट्टी होने के बावजूद मामले की सुनवाई की। इस दौरान केजरीवाल का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता ने न केवल सीबीआई की ओर से की गई गिरफ्तारी की आलोचना की बल्कि उन्हें मामले में जमानत पर रिहा करने का भी अनुरोध किया।

जो हमारे साथ हम उनके साथ – शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा के लीडर शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि हम हिंदू और संविधान दोनों को बचाएंगे। उन्होंने बड़ा बयान देते हुए कहा कि अल्पसंख्यक मोर्चा को भी बंद कर देना चाहिए, इसकी कोई जरूरत नहीं है। शुभेंदु ने भाजपा की स्टेट एग्जीक्यूटिव मीटिंग में कहा कि हम उसका साथ देंगे, जो हमारा साथ देगा। सबका साथ सबका विकास करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कार्यक्रम में जय श्री राम का नारा लगाते हुए कहा कि सबका साथ, सबका विकास बंद हो। खास बात है कि सबका साथ, सबका विकास का नारा सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही दिया था। पीएम ने साल 2014 में सभी भारतीयों को बिना किसी धर्म और जाति के शामिल करते हुए यह नारा दिया था। शुभेंदु अधिकारी ने कहा, मैंने राष्ट्रवादी मुसलमानों के बारे में बात की थी, लेकिन अब मैं सबका साथ, सबका विकास और नहीं कहूंगा, इसके बजाए हम कहेंगे कि जो हमारे साथ हम उनके साथ, अल्पसंख्यक मोर्चे की भी कोई जरूरत नहीं है। तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) की सरकार है। यहां लोकसभा चुनाव 2024 में ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी को 42 में से 29 सीटें मिली थी। भाजपा को पश्चिम बंगाल में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन उनको सिर्फ 12 सीटों पर जीत मिली। भाजपा पश्चिम बंगाल में संदेशखाली जैसे घटनाओं पर आक्रामक हुई थी।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ जौनपुर के जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला विद्यालय निरीक्षक जौनपुर कार्यालय परिसर में तीन दिवसीय धरना 18 जुलाई से होगा

जौनपुर ब्यूरो चीफ

जौनपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ जौनपुर के जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला विद्यालय निरीक्षक जौनपुर कार्यालय परिसर में तीन दिवसीय धरना 18 जुलाई से प्रारंभ हो गया जो 20 जुलाई तक चलेगा। प्रदेश अध्यक्ष चेतनारायण सिंह सहित इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। बदलापुर और शाहगंज तहसील के शिक्षक 16 सूत्री मांगों के समर्थन में कार्यालय पर जमे रहे। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार को चेताया की यदि तदर्थ शिक्षकों को सेवा बहाली तथा पूर्ण पुरानी पेंशन बहाली के लिए सतत संघर्ष का परिणाम शीघ्र देने को बाध्य है। प्रदेश उपाध्यक्ष नरसिंह बहादुर सिँह ने बताया कि तदर्थ शिक्षकों का वेतन नहीं दिया गया तो माध्यमिक शिक्षक आजीविका के रक्षा के लिए बहुत आगे तक जाने को तैयार है।उन्होंने यह भी बताया कि सरकार अपमान बर्दाश्त नही किया जाएगा। प्रांतीय मंत्री ने संघर्ष को ही हर मर्ज कि दवा इसलिए उसे संगठन जारी रहेगा। मण्डल अध्यक्ष सुधाकर सिंह ने वित्त विहीन को मानदेय तथा शिक्षकों के समायोजन का मुद्दा उठाया। जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह ने आए हुए शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा बताया कि धरने को कल तथा परसों भी जारी रहेगा। बैठक का संचालन जिला मंत्री दिनेश चक्रवर्ती ने किया। बैठक में जिला कोषाध्यक्ष प्रवीण कुमार पाण्डेय,जिला मीडिया प्रभारी विजय सिंह यादव, जिला उपाध्यक्ष रामप्रताप सिंह,जितेन्द्र बहादुर सिंह, विशाल मिश्रा, नवीन सिंह, धर्मेन्द्र शर्मा, कृष्ण मोहन यादव, आलोक श्रीवास्तव, डॉ धर्मेन्द्र कुमार शुक्ला, पुष्पेन्द्र बहादुर सिंह, पार्थ सिंह, रामजीत प्रजापति, शिव मंगल, आदि उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र में लाडला भाई योजना लाकर ढूंढ लिया बेरोजगारी का समाधान – सीएम शिंदे

महाराष्ट, एजेंसी। महाराष्ट्र में चुनाव नजदीक आते ही एकनाथ शिंदे सरकार ने बेरोजगार युवाओं के लिए सरकारी खजाना खोल दिया है। लाडली बहना योजना की तर्ज पर अब लाडला भाई योजना लाई गई है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पंढरपुर के विट्ठल मंदिर में महापूजा के बाद मीडिया को इसकी जानकारी दी। लाडला भाई योजना के तहत बारहवीं पास करने वाले युवाओं को छह हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। इस योजना के तहत डिप्लोमा करने वाले युवाओं को आठ हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। वहीं, ग्रेजुएट युवाओं को दस हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। सीएम शिंदे ने कहा कि इस योजना के तहत हमारी सरकार हमारे राज्य के युवाओं को कारखानों में अप्रेंटिस करने के लिए पैसे देने जा रही है। इससे वे कुशल होंगे। इतिहास में पहली बार किसी सरकार ने ऐसी योजना पेश की है। इस योजना के माध्यम से हमने बेरोजगारी का समाधान ढूंढ लिया है। इस योजना के माध्यम से युवा अन्य कारखानों में अनुभव और कुशलता हासिल करेंगे। अब महाराष्ट्र सरकार उन्हें बेरोजगारी से उबरने के लिए वजीफा देगी। बता दें कि महाराष्ट्र में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की इस घोषणा को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। लोकसभा चुनाव में भाजपा, शिवसेना और एनसीपी के सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। इसके पीछे युवाओं में बेरोजगारी को लेकर बढ़ती नाराजगी को मुख्य वजह बताया गया था। दूसरी ओर, विपक्षी महाविकास अघाड़ी गठबंधन भी लगातार बेरोजगारी के मुद्दे को उठाता रहा है। ऐसे में शिंदे सरकार की इस घोषणा को विपक्ष के इस हथियार की काट के तौर पर देखा जा रहा है।

मिशन इंद्रधनुष के तहत नहीं हो रहा बच्चों का टीकाकरण – खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मिशन इंद्रधनुष कार्यक्रम के तहत टीकाकरण करने में कथित विफलता के लिए भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले केंद्र पर निशाना साधा और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा, पीएम केवल घमंड की परवाह करते हैं। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने इसे मुख्य पाप करार देते हुए दावा किया कि 2023 में 16 लाख बच्चों को डिप्थीरिया, टेटनस और पर्टुसिस (डीटीपी) और खसरे के टीके नहीं दिए गए थे। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि सीओवीआईडी महामारी के दौरान अनाथ हुए बच्चों की सहायता के लिए लगभग आधे आवेदन पीएम केयर्स फंड द्वारा बिना कोई कारण बताए खारिज कर दिए गए। मिशन इंद्रधनुष केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के नेतृत्व में एक प्रमुख नियमित टीकाकरण अभियान है। 2014 में शुरू की गई योजना यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है कि नियमित टीकाकरण सेवाएं उन बच्चों और गर्भवती महिलाओं तक पहुंचें जो पहले टीकाकरण से चूक गए थे या टीकाकरण कार्यक्रम से बाहर हो गए थे। एक्स पर एक पोस्ट में खड़गे ने कहा।

प्रदेश की जनता कांग्रेस से हिसाब मांग रही - अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा के हरियाणा मांगे हिसाब अभियान पर कटाक्ष किया और इसे एक दशक का कुशासन और हरियाणा की प्रगति में बाधा करार देते हुए इसके लिए जवाबदेही की मांग की। अमित शाह ने कहा, बनिया का बेटा हूं, पाई–पाई का हिसाब लेके चलता हूं। कांग्रेस पर पलटवार करते हुए शाह ने कहा कि आप नौकरियों में भ्रष्टाचार, जातिवाद फैलाने, उत्पीड़ितों के साथ अन्याय और भाई–भतीजावाद का हिसाब दें। उन्होंने कहा कि मैं आपको चुनौती देता हूं हमारे दस साल और अपने दस साल का हिसाब लेकर जनता के बीच जाइए। आप हमारे से क्या हिसाब मांगेंगे। प्रदेश की जनता कांग्रेस से हिसाब मांग रही है। अमित शाह ने कहा, आपको क्या हिसाब चाहिए? हम आपको चीजों का हिसाब देंगे और हरियाणा की जनता कांग्रेस से हिसाब मांगेगी। अमित शाह ने भाजपा कार्यकर्ताओं सहित जनता से कांग्रेस के 10 साल के कार्यकाल के दौरान विकास परियोजनाओं के लिए आवंटित धन के ऑडिट की मांग करने का भी आग्रह किया। सोमवार को, कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी के लिए बेरोजगारी और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सत्तारूढ़ भाजपा की आलोचना करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए हरियाणा मांगे हिसाब अभियान शुरू किया था। 29 जून को पंचकुला में पार्टी की विस्तारित राज्य कार्यकारिणी बैठक में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद, अमित शाह ने एक महीने के भीतर मंगलवार को हरियाणा की अपनी दूसरी यात्रा की। हरियाणा के महेंद्रगढ़ में पिछड़ा वर्ग सम्मान सम्मेलन में बोलते हुए, भाजपा नेता अमित शाह ने राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर पिछले कांग्रेस प्रशासन की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि 2004 से 2014 तक इन सरकारों ने हरियाणा में विकास परियोजनाओं के लिए केवल रू41,000 करोड़ आवंटित किए। इसके विपरीत, शाह ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार, जो अपने डबल इंजन दृष्टिकोण के लिए जानी जाती है, ने राज्य में विकास के लिए 2.59 लाख करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। अमित शाह ने कांग्रेस पर पिछड़ा वर्ग विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा।

संपादकीय

खुद को फिर से गढ़ने की जरूरत

परंपरा कहती है कि राजनीतिक स्थान तीन तरह से वितरित किया जाता है – वाम, दक्षिणपंथी और केंद्र। इसलिए, उनकी संरचना, संगठन के सिद्धांतों और सबसे बढ़कर विचारधारा के आधार पर राजनीतिक दलों को तीन तरह से टैग किया जाता है। भारत में हाल ही में हुए चुनाव, खासकर केरल में, यह दर्शाते हैं कि राज्य के मतदाता, जब कट्टर–दक्षिणपंथी भारतीय जनता पार्टी, सीपीएम के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चे और मध्यमार्गी कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे के बीच चुनाव करने का मौका देते हैं, तो वे पश्चिम बंगाल के मतदाताओं की तरह ही सामान्य पैटर्न से विचलित होते हैं। इसके विपरीत, फ्रांस के मतदाताओं ने, मरीन ले पेन के नेतृत्व में एक दूर–दराज के राष्ट्रीय रैली गठबंधन की संभावना का सामना करते हुए, अपने दूसरे विचार रखने के अधिकार का प्रयोग किया और परिणाम दक्षिणपंथी ताकतों के लिए एक आश्चर्यजनक उलटफेर, दूर–वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट के लिए एक शानदार उछाल और मध्यमार्गी–रूढ़िवादियों, विशेष रूप से राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन और उनकी पुनर्जागरण पार्टी के लिए निराशा थी। दूसरे दौर के मतदान ने दूर–वामपंथियों को शीर्ष पर, मध्यमार्गियों को बीच में और दूर–दराज के दक्षिणपंथियों को नीचे रखा, जिसके परिणामस्वरूप संसद में अस्थिरता रही। केरल और पश्चिम बंगाल के साथ विरोधाभास चौंकाने वाला है। दोनों राज्यों में, लंबे समय से वामपंथ के समर्थक रहे मतदाताओं ने पाला बदलकर भाजपा को वोट दिया है। और, कांग्रेस, जो बीच में है, ने भी लोकसभा चुनावों में बढ़त हासिल की है, केरल की कुल 20 सीटों में से 18 सीटें जीती हैंय भाजपा ने सीपीआई के खिलाफ त्रिशूर से अपनी पहली जीत दर्ज की, और सीपीएम ने अलाथुर सीट बरकरार रखी। महत्वपूर्ण बदलाव उत्तरी केरल में हुआ, जहां वामपंथी गढ़ों में, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की धर्मादोम सीट सहित रिपोर्टों से पता चला है कि भाजपा के वोट शेयर में 100 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वामपंथी और दक्षिणपंथी सैद्धांतिक रूप से दुश्मन हो सकते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर, वामपंथी मतदाताओं ने दक्षिणपंथी को वोट देने के लिए प्राथमिकता दिखाई है, क्योंकि वे एक मध्यमार्गी या मध्यमार्गी पार्टी को वोट नहीं देना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल में, 2014 से शुरू होकर, बड़ी संख्या में मतदाता सीपीएम से भाजपा में चले गए, और यह प्रवृत्ति नहीं बदली है। पहली बार ऐसा 2014 में हुआ था और तब से मतदाताओं ने यह तय कर लिया है कि भले ही वे सीपीएम की रैलियों में उमड़ते हैं, कोविड–19 महामारी जैसे कठिन समय में पार्टी के स्वयंसेवकों और कार्यकर्ताओं के नेटवर्क पर निर्भर रहते हैं, लेकिन चुनावों में वे भाजपा को प्राथमिकता देते हैं। आत्मनिरीक्षण का कार्य, जिसमें गलतियों और कमियों की पहचान करना शामिल है, चुनावों के बाद राजनीतिक दलों की दिनचर्या का हिस्सा है। समस्या यह है कि सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया जाता है कि गलतियाँ हुई थीं। सीपीएम की हाल की केंद्रीय समिति की बैठक, जिसमें आत्मनिरीक्षण करने के लिए बहुत कुछ था, एक नरम स्वीकारोक्ति के साथ सामने आई कि परिणाम षनिराशाजनकष थे। फ्रांस में, क्रोधित दूर–दराज की राष्ट्रीय रैली ने ताजा रूप से पारदर्शी कहा कि उसने षालतियाँष की हैं। सीपीएम, अपनी ढहती दीवारों के पीछे पीछे हटने के बजाय, यह स्वीकार करके बेहतर कर सकती थी कि न केवल अहंकार और भ्रष्टाचार ने केरल में इसके खराब प्रदर्शन में योगदान दिया था, बल्कि संगठनात्मक क्षय और अवास्तविक उम्मीदों ने इसे पश्चिम बंगाल में अपने पुनरुद्धार के लिए काम करने से रोक दिया था। यानी निदान के बिना कोई उपचार नहीं हो सकता। चुनावों में व्यक्तिगत विकल्पों और समग्र परिणामों के बीच एक अस्पष्ट संबंध है। यह अलग–अलग जगहों पर अलग–अलग परिस्थितियों में अलग–अलग तरीकों से काम करता है। हाल ही में हुए फ्रांसीसी संसदीय चुनाव में, दूसरे दौर में, दूर–दराज के वामपंथी और अन्य वामपंथी दलों, जिनमें कभी शक्तिशाली कम्युनिस्ट भी शामिल थे, ने अपनी सामूहिक शक्ति को एकत्रित किया, ट्रेड यूनियनों जैसे अपने जन संगठनों के समर्थन का लाभ उठाते हुए न्यू पॉपुलर फ्रंट के रूप में उभरे, जिसने अधिकतम सीटें जीतीं। परिणामों ने मतदाताओं के बीच एक धारणा को दर्शाया कि फ्रांस अभी तक दाईं ओर जाने के लिए तैयार नहीं था, क्योंकि जर्मन नाजियों के साथ सहयोगी विची शासन की सार्वजनिक स्मृति सुश्री ले पेन को जीत से वंचित करने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली थी। फ्रांसीसी चुनाव परिणाम को अस्थिरता की शुरुआत करने वाले विभाजित फैसले के रूप में पढ़ा जा सकता है। इसे मतदाताओं द्वारा कटु और नाजुक वामपंथी गठबंधन और समान रूप से विभाजित मध्यमार्गी ताकतों को एक संकेत के रूप में भी पढ़ा जा सकता है कि वे लोकप्रिय संप्रभु को परेशान करने वाले मुद्दों को संबोधित करने का तरीका खोजें या परिणामों का सामना करें। केरल और पश्चिम बंगाल में मतदाताओं द्वारा दिए गए फैसले के बारे में भी यही सच है, जहां भी मतदाताओं का समर्थन तीन–तरफा है। सीपीएम चौराहे पर चक्कर लगा रही है, जहां वाम, दक्षिणपंथी और केंद्र मिलते हैं। इसकी दुविधा राज्य स्तर पर है, जहां चुनाव लड़े जाते हैं और संगठन को प्रभावी होने की जरूरत है। केरल में पार्टी के भीतर समस्याएं हैं और मतदाताओं के बीच विश्वास की कमी है और हालिया लोकसभा चुनावों में भाजपा का वोट शेयर 19.18 प्रतिशत को पार कर गया, जो 2019 में 15.56 प्रतिशत और 2014 में 10.82 प्रतिशत था। इससे भी बुरी बात यह है कि 2014 के बाद से, एलडीएफ ने, भले ही लगातार दो राज्य विधानसभा चुनाव जीते हों, अब एक कलंकित प्रतिष्ठा हासिल कर ली है।

महाशक्तियों के बीच हथियारों की सीमा संबंधी सभी वार्ताएं खत्म

प्रशांत

एनी जैकबसन की रोमांचक थ्रिलर पुस्तक श्परमाणु युद्ध रू एक परिदृश्यश परमाणु युद्ध की भयावहता को स्पष्ट करती है कि कैसे दुनिया परमाणु हथियारों से नष्ट हो सकती है। इस पुस्तक को वास्तविक अर्थों में एक क्लासिक के रूप में पढ़ा जाना चाहिए, क्योंकि यह हमें दृढ़ता से याद दिलाती है कि हम अपने डाटाबेस से परमाणु प्रलय की काली छाया को खत्म नहीं होने देंगे। इस वर्ष की सिपरी रिपोर्ट से हमें इस भयावह परिदृश्य का एहसास होता है कि हम दुनिया भर में फैले दुश्मनों के बीच 12,121 से ज्यादा परमाणु हथियारों के साथ जी रहे हैं। अनुमान है कि अमेरिका और रूस के पास हर समय क्रमशः 1,770 और 1,710 हथियार तैनात रहते हैं। ब्रिटेन, फ्रांस और चीन के पास क्रमशः 120, 280 और 24 हथियार तैयार हैं। संग्रहीत हथियार 5,684 हैं और सैन्य भंडार में 9,585 हथियार हैं। इस परिदृश्य को रॉयटर्स की एक रिपोर्ट और भयावह बनाती है, जिसमें बताया गया है कि रूस सैन्य अभ्यास करेगा, जिसमें जंगी परमाणु हथियारों के उपयोग का अभ्यास किया जाएगा। यह 6 मई, 2024 तक की ताजा रिपोर्ट है। सैन्य अभ्यास में गैर–रणनीतिक परमाणु हथियारों के उपयोग के लिए तैयारी और तैनाती का अभ्यास इसमें शामिल होगा। रूस के दक्षिणी सैन्य जिले में मिसाइल संरचनाएं होंगी और नौसेना बल इसमें भाग लेंगे। अभ्यास के दौरान, श्तथाकथितश गैर–रणनीतिक परमाणु हथियारों की तैयारी और उपयोग के कई उपाय किए जाएंगे। यह जंगी परमाणु हथियारों के लिए एक गलत नाम है। रूस का दावा है कि अभ्यास का उद्देश्य श्रूसी संघ के खिलाफ कुछ पश्चिमी अधिकारियों द्वारा दिए गए भड़काऊ बयानों और धमकियों के जवाब मेंश रूस की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता सुनिश्चित करना है। रूसी सेना की लीक हुई फाइलों के अनुसार, व्लादिमीर पुतिन की सेनाओं ने एक प्रमुख विश्वशक्ति के साथ संघर्ष के शुरुआती चरण में जंगी परमाणु हथियारों का उपयोग करने का अभ्यास किया है, जिसमें चीन द्वारा आक्रमण के लिए प्रशिक्षण भी शामिल हैं। रूस अपने परमाणु शस्त्रागार को अपनी रक्षा नीति की आधारशिला मानता है और कुछ युद्धक्षेत्र में पहले परमाणु हमला करने के लिए यह अपने बलों को प्रशिक्षित करता है। सैन्य अभ्यासों से पता चलता है कि 'यदि पारंपरिक तरीकों से वांछित परिणाम प्राप्त नहीं किया जा सकता है, तो परमाणु हथियारों का उपयोग करने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।' रूस के जंगी परमाणु हथियार, जिन्हें जमीन या समुद्र से प्रक्षेपित मिसाइलों या विमानों से पहुंचाया जा सकता है, यूरोप और एशिया में सीमित युद्धक्षेत्र में उपयोग के लिए तैयार किए गए हैं, जबकि बड़े श्रणनीतिकश हथियारों का उद्देश्य अमेरिका पर हमला करना है। रूस के पास दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु हथियार भंडार है और हमें भरोसा दिलाया जाता है कि जंगी परमाणु उपकरण का कोई रणनीतिक मतलबघ्नहीं होता! हालांकि, अध्ययनों से पता चला है कि आधुनिक जंगी हथियार अब भी 1945 में नागासाकी और हिरोशिमा पर गिराए गए हथियारों की तुलना में काफी अधिक ऊर्जा जारी कर सकते हैं। रूस ने इसी वर्ष जून में उत्तर कोरिया के साथ एक पारस्परिक हथियार आपूर्ति संधि पर भी हस्ताक्षर किए, जिसका मुख्य उद्देश्य अपने शस्त्रागार को बढ़ाना और जंगी परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइलों का भंडार भरना है। अमेरिका भी मानो इस होड़ में पीछे नहीं रहना चाहता। अप्रैल 2023 में, अमेरिकी स्ट्रेटेजिक कमांड ने ग्लोबल थंडर नामक सैन्य

अभ्यास शुरू किया था, जिसमें देश की परमाणु कमान, नियंत्रण और संचालन प्रक्रियाओं का सफलतापूर्वक परीक्षण व सत्यापन किया गया। इसकी योजना एक साल पहले से ही बनाई जा रही थी। यह श्रणनीतिक कमान के जवानों और इकाइयों को मित्र राष्ट्रों और साझेदार संगठनों के साथ प्रशिक्षण के लिए तैयार करता है, ताकि एकजुटता मजबूत की जा सके और वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए जरूरी अमेरिका के रणनीतिक निवारक बल की तत्परता, प्रभावशीलता और सुरक्षा को बढ़ाया जा सके। नाटो सहयोगियों ने भी अपनी गति बनाए रखी है और उसने 24 जनवरी, 2024 को दशक का अपना सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास शुरू किया, जिसमें 90,000 जवानों को उत्तरी अटलांटिक और यूरोप में महीनों तक चलने वाले युद्धाभ्यास में भाग लेने के लिए तैयार किया गया। अभ्यास मुख्य रूप से पोलैंड और नॉर्वे में हो रहे हैं, लेकिन जर्मनी, बाल्टिक राज्यों, रोमानिया, फिनलैंड, स्लोवाकिया, ग्रीस और स्वीडन में भी हो रहे हैं। दावा किया गया कि यह अभ्यास यूक्रेन में रूस के विशेष सैन्य अभियान और व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूरोप के पूर्वी देशों को दी गई धमकियों पर प्रतिक्रिया देने की गठबंधन की क्षमता का परीक्षण करेगा। इस तरह से परमाणु टकराव की स्थिति पूरी तरह से तैयार है। इसमें चीन भी पीछे नहीं रहना चाहता, इसलिए उसने अपने शस्त्रागार में 90 और परमाणु हथियार जोड़ लिए हैं और उन्हें हाई अलर्ट पर रखा है। परमाणु हथियारों में इस वृद्धि के कारण स्पष्ट रूप से हैरान करने वाले हैं। दावा किया जाता है कि 11 मार्च, 2024 को अग्नि पांच पर भारत द्वारा मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री–एंट्री व्हीकल्स (एमआईआरवी) का परीक्षण चीनी कार्रवाई को बढ़ावा दे सकता है। हालांकि भारतीय अनुसंधान प्रतिष्ठान केवल अमेरिका, फ्रांस, रूस, चीन और ब्रिटेन के उस चुनिंदा समूह में शामिल होना चाहता है, जिनके पास यह क्षमता है। रणनीतिक मजबूरियों की वजह से शायद भारत भी पीछे नहीं रहना चाहता! ऐसे में, हम इस धारणा से बच नहीं सकते कि हम एक अत्यंत प्रतिकूल शीतयुद्ध परमाणु परिदृश्य का सामना कर रहे हैं, जबकि ध्यान देने वाली बात है कि महाशक्तियों के बीच हथियारों की सीमा संबंधी सभी वार्ताएं खत्म हो गई हैं।

शादियों की चकाचौंध और बेशुमार दौलत से कोई अछूता नहीं

मनोज

हाल ही में संपन्न एक बड़े उद्योगपति के बेटे के ब्याह का खुमार अभी उतरा नहीं है। रील्स की दुनिया में हाहाकार है। टीवी चौनलों पर सोहर जारी हैं। कोई वक्त था, जब धन के ऐसे अश्लील प्रदर्शन को समाज न केवल अनैतिक मानता था, बल्कि कई देशों में तो जेल तक हो जाया करती थी। जिनके पास अकूत दौलत हुआ करती थी, वे तब भी उसे विलासिता पर खर्च करने से पीछे नहीं रहते थे, लेकिन सामान्यतया यह सब कोठियों की बंद दीवारों के पीछे हुआ करता था। एक खास तबके के लोगों के बीच। कोशिश होती थी कि बाहर की दुनिया को इसकी ज्यादा भनक न लगे कोई खिड़की, कोई रोशनदान खुला रह गया, तो उसकी झिर्री से मीडिया के छापामार दस्ते कुछ दृश्य चुरा लाया करते थे और उसे बड़ी उपलब्धि मानते थे। मगर, पिछले सालों में वक्त बदला और उसके साथ सामाजिक मूल्य भी। अब किसी को इस बात की परवाह नहीं होती कि अब भी इस देश के बड़े हिस्से में लड़की का बाप सबसे निरीह प्राणी कहा जाता है। बड़ी मिसालें हैं कि बेटी के लिए दहेज जुटाने में कई लोगों की जिंदगी भर की पूंजी खर्च हो जाती है, फिर भी ससुराल वाले संतुष्ट नहीं होते। इस बात का खतरा बना रहता है कि न जाने कब लाडली की मासूम मुस्कराहटें ससुराल पक्ष की टीवी, फ्रिज और कार जैसे ठंडे लोहे की लालसाओं की भेंट चढ़ जाएं। अब इस बात को लेकर कहीं कोई फिक्र नहीं दिखती कि लकदक शादियों को फटी आंखों से देखने के बाद दूल्हों के कस्बाई मां–बापों की हसरतें किस कदर आसमान छू रही होंगी। ब्याह में ऐसी न सही, इसके आस–पास की शान–शौकत के निष्ठुर सपने उनकी आंखों में भी कुलबुलाने लगे होंगे। महंगी सजावट, डिजाइनर कपड़े, भारी–भरकम गहने–जेवर और छप्पन प्रकार के व्यंजन, सब वैसा चाहिए होगा, जिसकी चकाचौंध से फिल्मी सितारों, खिलाड़ियों व धर्मगुरुओं से लेकर राजनेताओं तक, सब सम्मोहित हैं।

सामाजिक सरोकारों से कटे हुए, एकांगी और आत्ममुग्ध समाज इसी तरह व्यवहार करते हैं। वहां सादगी के लिए कोई गुंजाइश नहीं होती है। आजकल किसी से इस बात की अपेक्षा रखना कि वह अपने मोहल्ले के प्राथमिक शिक्षक का सम्मान करेगा, किसी कारीगर को उसकी उजरत का पैसा चुकाते हुए विनम्र बना रहेगा या अपेक्षाकृत कमजोर आर्थिक स्थिति वाले अपने संबंधियों को भी घरेलू फोटो फ्रेम में हिस्सा देगा, बेमानी है। जब समाज के भीतर खुद मूल्यों को लेकर कोई आग्रह न हो, तो फिर जिनकी जेब में पैसा है, उनसे किसी नैतिकता और मर्यादा की अपेक्षा क्यों रखी जानी चाहिए? इस पूरे विमर्श का एक सिरा समाज में मूल्यों के ह्रास से जुड़ता है, तो दूसरा क्रोनी कैपिटलिज्म से। कहने की जरूरत नहीं कि हाल के वर्षों में एकाएक बने कई अमीरों की दौलत में पीढ़ी–दर–पीढ़ी व्यापार के विस्तार की कमाई के बजाय नए तरीकों और तंत्र के चोर दरवाजे से घुसकर जुटाई गई समृद्धि का हिस्सा है। इसलिए भी अब समाज को लेकर नैतिक दायित्वों का कोई दबाव नहीं दिखता।

दुनिया में ऐसे तमाम उदाहरण हैं, जहां उद्योगपतियों ने फाउंडेशन बनाए, चौरिटेबल ट्रस्ट खोले या फिर इसी तरह का कोई और उपक्रम करते हुए अपनी दौलत का एक हिस्सा उस समाज को लौटाया, जिससे उन्होंने इसे हासिल किया था। बेशक इस प्रक्रिया में भी तमाम झोल हैं। ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं है, जहां दान के बजाय दिखावा ज्यादा है या फिर दान के नाम पर संपत्ति को उलटफेर कर अपने ही खाते में जोड़ लेने की शातिर कवायद। इस कड़वे सच के बावजूद इस तथ्य से इन्कार नहीं किया जा सकता कि उद्योगपतियों के ट्रस्टों और फाउंडेशनों ने तमाम जरूरतमंदों के जीवन में बदलाव लाने में अहम भूमिका निभाई है।

मगर इन मिसालों से इतर ब्याह के नाम पर लगातार बढ़ रहे तमाशे, किराये के मेहमान, फिल्मी गानों पर ठुमके और पति–पत्नी के प्रेम के प्रदर्शन के नाम पर हिंदी–अंग्रेजी फिल्मों से चुराए सस्ते संवाद बढ़ते जा रहे हैं। अधनंगी मॉडलों के वार्षिक कलेंडर से लेकर महंगी पार्टियों तक, हवाई जहाज से लेकर यॉट की खरीद तक वैभव का प्रदर्शन करने वाले लोगों की एक शृंखला मिलेगी, जो बैंकों को दिवालियापन सौगात में देते हैं। लकदक शादियों को हसरत भरी निगाहों से देखने वाले आम लोगों को शायद इस बात का एहसास भी नहीं है कि सारे खाली खजाने आखिर में उन्हें और उनकी आने वाली पीढ़ियों को अपने ही खून–पसीने की कमाई से भरने हैं।

व्यापक दृष्टिकोण पाने के लिए

आदित्य

उत्पीड़न की जटिल प्रकृति का विश्लेषण करने के लिए इंटरसेक्शनलिटी की अवधारणा एक व्यापक दृष्टिकोण के रूप में उभरी है। इस लेख में इंटरसेक्शनलिटी से संबंधित पेचीदगियों को सुलझाने का प्रयास किया गया है। इंटरसेक्शनलिटी शब्द किम्बर्ले विलियम्स क्रेनशॉ द्वारा एक पेपर में गढ़ा गया था, जिसमें तर्क दिया गया था कि महिलाओं के मुद्दों को एक व्यापक ढांचे में रखा जाना चाहिए। इंटरसेक्शनलिटी की जड़ें श्वेत महिलाओं द्वारा वकालत किए गए नारीवाद से अश्वेत महिलाओं के मोहभंग में देखी जा सकती हैं। अश्वेत महिलाओं को लगा कि श्वेत महिलाओं द्वारा उठाए गए मुद्दे उनके सामने आने वाले मुद्दों से मेल नहीं खाते। साथ ही, अश्वेत महिलाओं को नागरिक अधिकार आंदोलन में घोर लैंगिक भेदभाव का सामना करना पड़ा। इसके लिए एक दो–आयामी सिद्धांत की आवश्यकता थी जो नस्ल और लिंग के सवालों को संबोधित कर सके। भारतीय संदर्भ में, नस्ल की जगह जाति ले सकती है। कभी–कभी, हम कुछ हलकों से जिद्दी आग्रह देखते हैं, जो जाति के कथित अप्रचलन पर जोर देते हैं। ऐसा माना जाता है कि जाति अतीत की बात है और वर्तमान दुनिया में इसका कोई महत्व नहीं है। ऐसा करते हुए, इसके समर्थक दलितों के खिलाफ हिंसा की अनगिनत रिपोर्टों को अनदेखा कर देते हैं जो अक्सर सामने आती रहती हैं। यह विचारधारा महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों को जाति के मामलों से अलग करने पर भी जोर देती है। यह तर्क जाति क्या है और यह कैसे प्रकट होती है, इस बारे में एक दोषपूर्ण समझ को दर्शाता है। एक लेख में, नारीवादी कार्यकर्ता, दिप्सिता धर, तर्क देती हैंरू "हर दिन चार दलित महिलाओं के साथ बलात्कार होता है, ऐसे मामले हैं जहाँ महिलाओं के साथ पुलिस स्टेशन के अंदर बलात्कार किया जाता है जब वे यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने जाती हैं, ऐसे भी मामले हैं जहाँ बलात्कार के आरोप दर्ज होने के बावजूद, एससीध्एसटी अत्याचार अधिनियम ख्उनके खिलाफ, नहीं लाया जाता है... एनसीआरबी के आंकड़ों से पता चलता है कि दलितों और आदिवासियों के खिलाफ अपराधों के लिए सजा की दर बाकी की तुलना में बहुत कम है। यह संस्थागत, संरचनात्मक पूर्वाग्रह नहीं तो और क्या है जो अपराधी, पुलिस और न्यायपालिका के बीच जातिगत एकजुटता के इर्द–गिर्द बना है? इसीलिए दलित महिलाओं के शरीर को हिंसा का आसान स्थल बनाया जा सकता हैरू इसमें कोई जोखिम नहीं है, कोई कीमत नहीं चुकानी पड़ती, अपराधी को दंड से मुक्ति का भरोसा होता है, शासक जाति से होने के कारण उसे सामाजिक–राजनीतिक सुरक्षा मिलती है। जो लोग जाति और लिंग के प्रश्न को अलग करने पर जोर देते हैं, वे अक्सर यह अनुमान लगाने में विफल रहते हैं कि भारतीय मानस में जाति कितनी गहराई से समाई हुई है। दलित महिलाओं के साथ बलात्कार के कई उदाहरण हैं, क्योंकि उन्होंने ऊंची जातियों से सवाल करने की हिम्मत की या केवल वेतन में वृद्धि की मांग की। यौन हिंसा एक ऐसा साधन है, जिसके द्वारा ऊंची जातियां दलितों पर अपना वर्चस्व जताती हैं। ऐसे मामलों को केवल पितृसत्ता का कार्य मानना विश्लेषणात्मक रूप से मूर्खतापूर्ण है। इसके अलावा, ऐसा करने में, हम, जाने–अनजाने में, जाति और पितृसत्ता के बीच अपवित्र गठजोड़ की पहचान करने में विफल होकर, इस तरह के अपराध को बढ़ावा देते हैं। दलित महिलाओं पर हिंसा का विश्लेषण, वास्तव में, एक कारण कारक के रूप में जाति से परे होना चाहिए। ट्रांसजेंडरवाद, वर्ग, जातीयता और ऐसे अन्य कारक हैं जो जाति की तरह मूर्त नहीं हो सकते हैं, लेकिन फिर भी, महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। उदाहरण के लिए, दलित ट्रांसजेंडर कार्यकर्ता ग्रेस बानू दलित ट्रांसजेंडर समुदाय की अदृश्यता के बारे में जागरूकता बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं। उत्पीड़न की ताकतों को मैप करने के लिए एक अंतर्संबंधी दृष्टिकोण की आवश्यकता तब और भी महत्वपूर्ण हो जाती है जब श्प्रगतिशीलश निर्वाचन क्षेत्र जातिवादी झुकाव प्रदर्शित करता है। हाल ही में, कई दलित समलैंगिक समलैंगिक स्थानों में उनके साथ होने वाले भेदभाव के बारे में शिकायत कर रहे हैं। उन्हें कहा जाता है कि वे अपनी जाति की पहचान घर पर ही छोड़ दें और इसे समलैंगिक गौरव कार्यक्रमों में न लाएँ। उच्च जातियाँ सामाजिक रूप से वंचित समूहों के प्रतिनिधित्व को कम करते हुए स्थानों पर एकाधिकार करती हैं। यह समलैंगिक स्थानों के लिए भी सही है। गैर– राजनीतिक होने की उनकी प्रवृत्ति इस तथ्य का संकेत है कि वे उन विशेषाधिकारों को छोड़ने के लिए अनिच्छुक हैं जो उन्हें दिए गए हैं। यहीं पर अंतर्संबंधी दृष्टिकोण यह समझने का एक महत्वपूर्ण साधन बन जाता है कि उत्पीड़न असंख्य कारकों का एक कार्य है।

तीन साल में योगी आदित्यनाथ कितने बदल पायेंगे हालात ?

अजय

लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश में काफी नुकसान उठाना पड़ा। यूपी की वजह से केंद्र में मोदी की पूर्ण बहुमत की सरकार नहीं बन पाई, जो बीजेपी यूपी में 80 सीटें जीतने का सपना पाले हुए थी, वह 33 सीटों पर सिमट गई। बीजेपी का ग्राफ इतनी तेजी से गिरा की अब तो विपक्षी नेता खासकर राहुल गांधी और अखिलेश यादव तो दिल्ली में मोदी को सबक सिखाने के पश्चात तीन साल बाद 2027 में योगी को भी धूल चटाने की बात करने लगे हैं। 2027 में उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव होने हैं और तब योगी की प्रतिष्ठा दांव पर होगी। 2027 के चुनाव में जहां राहुल गांधी और अखिलेश यादव बढ़े हुए मनोबल के साथ मैदान में उतरेंगे, वहीं बीजेपी को 2024 के नतीजे कचोटते रहेंगे, जबकि भारतीय जनता पार्टी 2024 जैसे चुनावी नतीजे 2027 विधानसभा चुनाव में नहीं देखना चाहती है। इसीलिये बीजेपी आलाकमान के

साथ–साथ सीएम योगी आत्यिनाथ उन मुद्दों की धार कुंद करने में लग गये हैं जिसके सहारे कांग्रेस–सपा गठबंधन ने बीजेपी को आईना दिखाया था। लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने संविधान, दलित ओबीसी आरक्षण, बेरोजगारी, महंगाई को बीजेपी के खिलाफ सबसे मजबूत चुनावी हथियार बनाया था। अबकी से राहुल के मुंह से अडानी–अंबानी, नोटबंदी, राफेल विमान खरीद भ्रष्टाचार, चौकीदार चोर है, जैसे तमाम जुमले सुनने को नहीं मिले थे। राहुल गांधी के साथ–साथ अखिलेश यादव भी अपनी जनसभाओं में दो ही बातें दोहराते रहे, पहला मोदी को 400 सीटें मिली तो वह संविधान बदल देंगे, दूसरा दलितों और ओबीसी को मिलने वाला आरक्षण खत्म कर दिया जायेगा। इसके अलावा राहुल की महिलाओं को 8500 रूपये प्रति माह देने की गारंटी ने भी बीजेपी का खेल बिगाड़ दिया। चुनाव बाद भी जिस तरह से राहुल गांधी संविधान की किताब लिये घूम रहे हैं उसकी काट के लिये अब मोदी सरकार ने इमरजेंसी के 50 वर्ष पूरे होने के मौके पर कांग्रेस को घेरना शुरू कर दिया है। मोदी के मंत्री से लेकर छोटे–बड़े सभी नेता लगातार बता रहे हैं कि 1975 में किस तरह से तत्कालीन इंदिरा गांधी की सरकार ने इमरजेंसी लगाकर संविधान की आत्मा को तार–तार कर दिया था। सदन में तो इमरजेंसी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव तक पास हो गया। सबसे खास बात यह रही कि मोदी सरकार जब इमरजेंसी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाई तो इसके खिलाफ कांग्रेस सदन में अकेले ही खड़ी नजर आई। राहुल के सबसे मजबूत साथी समझे जाने वाले सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी इमरजेंसी मुद्दे पर कांग्रेस के साथ नहीं गये। बहरहाल, आम चुनाव में इंडी गठबंधन के कुछ दमदार और असरदार साबित हुए मुद्दों की धार को मोदी सरकार कम करने में लगी है तो दूसरी ओर गठबंधन के कुछ मुद्दों की हवा निकालने के लिये योगी सरकार ने अपने कंधों पर जिम्मेदारी ले रखी है। योगी ने इसके लिये अभी से सरकार के पेंच कसना शुरू कर दिये हैं। संगठन स्तर पर भी काम चल रहा है। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 के शुरुआती तीन–चार महीनों में सम्पन्न होना है। इस हिसाब से सरकार के पास तीन साल से भी कम का समय बचा है। यह तय माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव से सबक लेते हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी खराब छवि वाले विधायकों का टिकट काटने में भी आलाकमान परहेज नहीं करेगा। गौरतलब हो, हाल में सम्पन्न लोकसभा चुनाव में बीजेपी को उम्मीद से काफी कम सीटें मिली थीं। चुनाव आयोग ने जो आकड़े जारी किये हैं उसके अनुसार यूपी में 80 लोकसभा सीटें जिसके अंतर्गत 403 विधान सभाएं आती हैं,वहां अबकी से बीजेपी 162 विधान सभा क्षेत्रों में समाजवादी और कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशी से पिछड़ गई थी। इन 162 विधान सभा क्षेत्र के विधायकों पर भी गाज गिर सकती है।

वहीं 2027 में विपक्ष एक बार फिर से बेरोजगारी को मुद्दा नहीं बना पाये इसके लिये योगी ने सभी खाली पड़े रिक्त पदों को भरने के लिये बम्पर नौकरियां निकाली हैं। अभी एक लाख नौकरियां निकाले जाने की बात कही जा रही है जिसका आंकड़ा 2027 के विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आने तक पांच लाख तक पहुंच सकता हे। इसी के साथ पेपर लीक की घटनाओं पर अंकुश लगाने और इसमें लिप्त अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिये भी एसटीएफ तेजी से काम कर रही है। बेरोगारी और पेपर लीक की घटनाओं के चलते युवा वर्ग केन्द्र और राज्य सरकारों के खिलाफ काफी आक्रोशित है। उधर, इन युवाओं को गुस्से को विपक्ष हवा–पानी देने का काम कर रहा है। ऐसी ही एक मोदी सरकार की एक और योजना अग्निवीर भी सरकार के लिये बढ़ा मुद्दा बना हुआ है। विपक्ष लगातार इसे खत्म करने की मांग कर रहा है। इस योजना का दुष्प्रभाव मोदी सरकार लोकसभा चुनाव में देख भी चुकी है। कुल मिलाकर योगी सरकार बम्बर नौकरियां निकाल कर विपक्ष को उसकी बेरोजगारी वाली सियासत से 'बेरोजगार' करना चाहती है। बात सरकार से हटकर संगठन स्तर की कि जाये तो लोकसभा चुनाव में यूपी से मिली चोट भाजपा को बेचौन किए हुए हैं। योगी की छवि पर भी प्रश्न चिन्ह लगा है। केंद्र में तीसरी बार मोदी सरकार के गठन के बाद भाजपा के जिम्मेदार अब यूपी में पार्टी के ग्राफ गिरने के कारणों की पड़ताल पर लगा है। पार्टी स्तर पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल ने वोट में आई गिरावट को लेकर चर्चा की।

अवैध मदिरा निर्माण एवं बिक्री रोकने हेतु 26 जुलाई तक चलेगा अभियान - डीएम

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

'हरदोई' जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने बताया है कि अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी रोकने के दृष्टिगत रखते हुए अवैध मदिरा के निर्माण एवं बिक्री तथा तस्करी पर अंकुश लगाये जाने हेतु

प्रभावी प्रवर्तन कार्य किया जाना आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी पर रोक लगाने हेतु 17 से 26 जुलाई 2024 तक विशेष प्रर्वतन अभियान चलाये जाने हेतु आबकारी, पुलिस एवं प्रशासन की संयुक्त टीमों का गठन किया गया है। जिसमें टीम 01 में प्रशासन की ओर से उप जिलाधिकारी सदर/तहसीलदार सदर, आबकारी निरीक्षक सदर एवं समस्त स्टॉफ तथा क्षेत्राधिकारी सदरध सम्बन्धित थानाध्यक्ष टीम के सदस्य होगे। इसी प्रकार टीम 02 में उप जिलाधिकारी शाहाबाद/तहसीलदार शाहाबाद, आबकारी निरीक्षक शाहाबाद एवं समस्त स्टाफ तथा क्षेत्राधिकारी शाहाबादध्सम्बन्धित थानाध्यक्ष टीम के सदस्य होंगे।। टीम 03 में उप जिलाधिकारी सण्डीलाध्तहसीलदार सण्डीला, आबकारी निरीक्षक सण्डीला एवं समस्त स्टाफ तथा क्षेत्राधिकारी सण्डीलाध्सम्बन्धित थानाध्यक्ष टीम के सदस्य होंगे। टीम 04 में उप जिलाधिकारी बिलग्राम/तहसीलदार बिलग्राम, आबकारी निरीक्षक बिलग्राम एवं समस्त स्टॉफ तथा क्षेत्राधिकारी बिलग्रामध्सम्बन्धित थानाध्यक्ष टीम के सदस्य होंगे।, तथा टीम 05 में उप जिलाधिकारी सवायजपुरध तहसीलदार सवायजपुर, आबकारी निरीक्षक सवायजपुर एवं समस्त स्टॉफ क्षेत्राधिकारी सवायजपुर/ सम्बन्धित थानाध्यक्ष टीम के सदस्य होंगे।

जिलाधिकारी ने कहा कि उक्त टीम अवैध मदिरा के कार्य में संलिप्त माफियाओं/तस्करों की जो सूची तैयार उपलब्ध कराई गई है, उनके विरूद्व आवश्यकतानुसार गैगस्टरध गुण्डा एक्ट की कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। संदिग्ध वाहनों की सघनता एवं सूक्षमता से चेकिंग कराई जाये। प्रदेश स्तर पर संचालित टोल फ्री नम्बर 14405 तथा व्हाट्सप नम्बर 9454466019 का प्यापक प्रचार–प्रसार किया जाये ताकि आम जनता बिना किसी भय के इन नम्बरों पर अवैध मदिरा के निर्माण एवं बिक्री की सूचना दे सके। जिन आबकारी दुकानों पर उक्त नम्बरों को अंकित नहीं कराया गया है, तत्काल उन दुकानों पर उक्त नम्बरों का अंकन सुनिश्चित किया जाये। किसी भी दशा में अवैध मदिरा की तस्करी न होने पाये। उन्होंने कहा कि उक्त टीमें प्रत्येक दिवस दबिश करेगी। प्रभावी कार्य हेतु उपरोक्त गठित टीमें सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन, राज्य कर अधिकारी, प्रभागीय वन अधिकारी, क्षेत्रीय प्रबन्धन परिवहन निगम अधिकारी से भी समन्वय स्थापित करते हुए प्रवर्तन कार्य में यथावश्यक सहयोग प्राप्त करेंगे। सभी टीमें पूर्ण मनोयोग से सम्बन्धित थाने के पुलिस बल का सहयोग लेते हुए विशेष प्रर्वतन कार्य करना सुनिश्चित करें।

सरकार की योजनाओं का किसान बंधु लाभ उठायें – प्रेमावती

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) आज कृषक सभागार में माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रेमावती की अध्यक्षता में तिलहन मेला, किसान दिवस व भूमि संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रेमावती व जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उदघाटन किया। मुख्य अतिथि माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि सरकार की योजनाओं का किसान बंधु लाभ उठायें। बाढ़ के दौरान हर प्रभावित की नियमानुसार सहायता के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। फसल बीमा योजना व किसान समृद्धि योजना जैसी योजनाओं से किसानों को मजबूती मिली है। हॉल के सड़क हादसों को लेकर उन्होंने कहा कि कोई भी सड़क के किनारे न सोये। जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि चिन्हित नालों की मनरेगा योजना के अंतर्गत साफ कराया जाये। कृषि विकास योजना के अंतर्गत खेत तालाब को प्रोत्साहन दिया जाये। इसके अंतर्गत नियमानुसार अनुदान दिलाएं। कृषक उत्पादक संघो को प्रोत्साहित किया जाये और नियमानुसार सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाया जाये। एफएसएसआई लाइसेंस के लिए कम से कम एक दर्जन एफपीओ को आवेदन कराया जाये। एफपीओ को कम ब्याज पर ऋण देकर व्यवसाय को प्रोत्साहित किया जाये। मंच पर शीर्ष 10 एफपीओ से जुड़े किसानों को सम्मानित किया गया।

जिलाधिकारी ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से सरकार की किसान परक योजनाओं की जानकारी किसानों को मिलती है। उन्होंने कहा कि बाढ़ से प्रभावित प्रत्येक किसान के खेत का सर्वे कराया जायेगा। बोये गए क्षेत्रफल के अनुसार अधिक से अधिक लाभ दिलाया जायेगा। जिनका मकान गिरा होगा उन्हें मकान दिया जायेगा। बाढ़ की समस्या में शासन व प्रशासन लोगों के साथ है। उन्होंने बताया कि नदियों के किनारे सभी गावों में नाव की खरीद कर ली गयी है। उपनिदेशक कृषि डॉ नन्दकिशोर ने कहा कि गौ आधारित खेती को अपनाएं और शरीर को स्वस्थ बनायें। उन्होंने विमल 1 प्रजाति को हरदोई के लिए गौरव का विषय बताया। उन्होंने कहा कि इसमें बाली काफी बड़ी होती है। उपज अधिक होती है। गेहूँ का पौधा नहीं गिरता। किसान नेता राजबहादुर ने भी अपने विचार व्यक्त किये। जिलाधिकारी ने गेहूँ की किस्म विकसित करने वाले किसान विमल को शाल उढाकर व माल्यार्पण कर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने किसानों से उनकी समस्याओं के सम्बन्ध में चर्चा की तथा उनके तत्काल निस्तारण के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। कार्यक्रम के अंत में जिला पंचायत अध्यक्ष व जिलाधिकारी ने किसानों को फ्री मिनी बीज किट वितरित किये। कार्यक्रम के उपरांत माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष व जिलाधिकारी ने किसानों के साथ सामूहिक पौध रोपण किया।

अंतर्जनपदीय लुटेरा पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार पैर में लगी गोली

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाए जा रहे हैं अभियान के क्रम में बुध ावार की देर रात पुलिस की सयुक्त टीम बक्सा बदलापुर व सुजानगंज के साथ अंतर्जनपदीय शातिर व दुर्दांत अतुल गौड़ के साथ देर रात मुठभेड़ हुई। इस दौरान उसके पैर में गोली लगी है। जिसके ऊपर 25 हजार का इनाम था और करीब तीन दर्जन मुकदमे आरोपी के ऊपर दर्ज है। पिछले दिनों बारात से लौट रहे परिवार के साथ लूट को अंजाम दिया था इस मामले में एसपी ने कई टीमों का गठन कर लूट की घटना का खुलासे के लिए लगा दिया था,बक्शा सहित तीन थानों की पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक शातिर और दुर्दांत अपराधी जनपद की सीमा में प्रवेश करने वाला है जो कुछ दिन पूर्व बक्शा में लूट की घटना को अंजाम दिया पुलिस ने घेराबंदी कर लुटेरे को गिरफ्तार कर लिया है जबकि लुटेरे का दूसरा साथी पुलिस को चकमा देने में सफल रहा, घायल अवस्था में अतुल गोड को जिला अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। जिले के बक्सा थाना क्षेत्र स्थित गड़ा सैनी गांव के पास बुधवार देर रात बक्सा पुलिस बदलापुर को सुजानगंज की संयुक्त टीम के साथ 25 हजार की इनामियां अंतर्जनपति लुटेरे के साथ मुठभेड़ हुई इसमें अतुल गौड़ उर्फ राजा के पैर में गोली लगी घायल अवस्था में

अतुल गोड को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अतुल गौड़ के ऊपर 29 ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं जो जनपद प्रतापगढ़ के कोतवाली थाना क्षेत्र के भूपिया डिहवा का रहने वाला बताया जा रहा इसके कब्जे से एक 32 बोर पिस्टल व 03 खोखा कारतूस, 01 जिन्दा कारतूस, 02 सोने की चेन, 11400 रुपया नगद बाइक बरामद किया गया है। इस घटना के संबंध में एसपी ग्रामीण डॉक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह ने गुरुवार को बताया कि बक्शा में पिछले दिनों लुट की घटना को अंजाम देने वाले मामले के खुलासे के लिए एसपी द्वारा बनाए गए टीम जिसमें बक्शा पुलिस,बदलापुर पुलिस और सुजानगंज पुलिस को कामयाबी मिली ।जनपद प्रतापगढ़ जिले के सीटी कोतवाली क्षेत्र के भूफियामऊ डिहवा का रहने वाले दुर्दांत लुटेरा के साथ मुठभेड़ हो गई जिसमे उसके पैर में गोली लगी है और एक अन्य साथी मौके से पुलिसको चकमा देने में सफल रहा है,आरोपी की घायलावस्था में जिला अस्पताल में इलाज जारी है,आरोपी के पास एक पिस्टल,जिन्दा कारतूस, खोखा और लूटे गए सामान को बेचकर करीब 11 हजार रुपए बाइक बरामद किया गया है।

ग्लोबल वार्मिंग रोकने के लिए पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, जौनपुर, ह्युमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया एवं कम्पोजिट विद्यालय सोंगर, शाहगंज ब्लाक, जौनपुर के संयुक्त तत्वावधान में वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत ग्लोबल वार्मिंग रोकने के लिए पौध ारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, जौनपुर के उप शिक्षा निदेशकध प्राचार्य डॉ0 विनोद कुमार शर्मा के दिशा निर्देशन एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर डॉ0 गोरखनाथ पटेल मार्गदर्शन में किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ स्टेट रिसोर्स पर्सन अजय कुमार मौर्य एवं ह्युमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया, जौनपुर के सी जी टी डॉ. चन्द्रशेखर एवं अनुराग सिंह तथा विद्यालय के प्रधानाध्यापक आबिद मकबुल के विशेष सहयोग से बच्चों के साथ पौधे के महत्व के बारे में चर्चा करने, बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूपता पर चर्चा करने के साथ–साथ 82 पौधों (नीम,पीपल, बरगद, कंजी, अमरूद इत्यादि) के रोपण से किया गया और सभी लोगों ने पौधों को संरक्षित करने का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर कम्पोजिट विद्यालय सोंगर, शाहगंज ब्लाक, जौनपुर के प्रधानाध्यापक श्री आबिद मकबुल एवं सहायक अध्यापक उमा शंकर यादव, कैलाशनाथ यादव, अबू सालिम, विजय बहादुर, राममिलन, सुरेश कुमार, गीता देवी ने भी पौधा रोपण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बच्चों के साथ मिलकर पौधा रोपण किया जिससे कि बच्चों में पौधों के प्रति अपनापन का भाव पैदा हो सके।

इस्लामी इंडिया के विभाग जीएनआरएफ ने प्रकृति बचाओ कार्यक्रम के तहत पौधारोपण अभियान चलाया

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिस प्रकार मानव स्वास्थ्य के अस्तित्व के लिए स्वस्थ भोजन की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार स्वच्छ हवा के महत्व से कोई भी इनकार नहीं करता है। लेकिन बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग और वायु प्रदूषण के कारण जलवायु भी काफी हद तक प्रभावित हुई है।. यदि हमने प्राकृतिक संसाधनों का सहारा नहीं लिया तो निकट भविष्य में हमें और भी गंभीर परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। पेड़–पौधे बहुत महत्वपूर्ण हैं. एक शोध के अनुसार, एक पेड़ तापमान को कम से कम 4 डिग्री तक कम कर सकता है और साल भर में लगभग 20 किलो वायु प्रदूषण को अवशोषित कर सकता है। दावत–ए–इस्लामी इंडिया के कल्याण विभाग जीएन आरएफ (गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन) ने 1 जुलाई 2024 से पूरे देश में बड़ी संख्या में पौधे लगाने का फैसला किया है।इस अभियान को सफल बनाने के लिए आज दिनांक 17 जुलाई को दावते इस्लामी इंडिया के विभाग जीएनआरएफ के जानिब से यौमे आशूरा के मौके पर शहीदाने कर्बला की याद में जौनपुर के शहर के सिपाह मुहल्ला और विभिन्न स्थानों पर प्रकृति बचाओ शीर्षक के तहत कार्यक्रम आयोजित करके लोगों से इस वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया । साथ ही लोगो सेअपील भी किया कि आप सब भी ज्यादा से ज्यादा पौधा लगाएं। इस मौके पर (दावते इस्लामी जिला हेड) मोहसिन अत्तारी, आकिब अत्तारी, मुफ्ती अलाउद्दीन, मोव नजमी ओवैस ,मो नदीम, छोटू, हस्सान , सोनू मो साबिर, गोल्डन भाई, अरसलान, हुसैन, नुरुलहुदा, अहद, इखलाक, अरशद ,हैदर अली अत्तारी, आदि लोग शामिल रहे।

छात्रवृत्ति वितरण की समस्त कार्यवाही निर्धारित तिथियों मे पूर्ण की जाये

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

हरदोई। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने बताया है कि शैक्षिक सत्र–2024–25 में अल्पसंख्यक वर्ग हेतु दशमोत्तर छात्रवृत्तिध्शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत संबंधित विद्यालयोंध्मदरसों को मास्टर डाटा बेस में सम्मिलित होने वाले छात्रों द्वारा आनलाइन आवेदनों से छात्रवृत्ति वितरण तक की समस्त कार्यवाही निर्धारित तिथियों मे पूर्ण की जायेगी। उन्होंने बताया कि 10 जुलाई से 05 दिसम्बर 2024 तक शिक्षण संस्थान द्वारा मास्टर डाटा तैयार करने की कार्यवाही पूर्ण की जायेगी। 12 जुलाई से 10 दिसम्बर 2024 तक विश्वविद्यालयध एफिलेयेटिंग एजेन्सी/जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा फीस आदि का सत्यापन किया जायेगा। 12 जुलाई से 16 दिसम्बर 2024 तक छात्रों द्वारा ऑनलाइन आवेदन किये जायेगें। 18 नवम्बर 2024 तक छात्र द्वारा फाइनल प्रिन्टआउट निकालना व त्रृटियों को सुधार करने आदि की कार्यवाही की जायेगी। 20 नवम्बर 2024 तक हार्डकापी छात्रध्छात्राओं द्वारा वांक्षित संलग्नकों सहित शिक्षण संस्था मे जमा किया जायेगा, तथा 25 नवम्बर 2024 तक शिक्षण संस्थान द्वारा आवेदन पत्र को आनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित करने की कार्यवाही पूर्ण की जायेगी। उन्होंने समस्त शिक्षण संस्थाओं से कहा है कि उपरोक्त समय सारिणी के अनुसार दशमोत्तर छात्रवृत्ति शुल्क प्रतिपूर्ति से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों का मास्टर डाटा तैयार करना, सत्यापन, लॉक करना एवं पात्र छात्रों को छात्रवृत्ति हेतु भारत सरकार अथवा राज्य सरकार द्वारा संचालित किसी एक छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत ऑनलाइन आवेदन कराना सुनिश्चित करें।

युवती के अपहरण व किशोरी संग छेड़खानी में दो पर केस

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। खुटहन थाना अंतर्गत थाना क्षेत्र के दो अलग गांवों में बहला फुसलाकर कर युवती को भगा ले जाने व दूसरे गांव में शौच को गई किशोरी संग छेड़खानी के मामले में पुलिस ने दोनों नामजद आरोपितों के खिलाफ उचित धाराओं केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दिया है। गांव निवासी 24 वर्षीय युवती के पिता ने थाने में नामजद तहरीर देकर आरोप लगाया कि सुल्तानपुर जिले के करौंदी थाना क्षेत्र के पाकरपुर गांव निवासी हरिकेश यादव का उसके पड़ोस में रिस्तेदारी है। वह अक्सर उसके घर आता जाता था। गत 3 जुलाई को मौका पाकर वह हमारी पुत्री को शादी का झांसा देकर घर से भगा ले गया। इसी दिन थाना क्षेत्र के दूसरे गांव में शौच को गई किशोरी को गांव के ही प्रदीप उर्फ प्रमोद ने दुराचार की नीयत से पकड़ लिया।शोर मचाने पर आरोपित भाग गया। दोनों आरोपितों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बैड न्यूज का प्रमोशन करने स्टारकास्ट पहुंची लखनऊ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। धर्मा प्रोडक्शंस और लियो मीडिया कलेक्टिव के सहयोग से अमेजॅन प्राइम द्वारा प्रस्तुत, कॉमेडी–ड्रामा फिल्म बैड न्यूज की रिलीज डेट जैसे–जैसे पास आ रही है, फैंस और दर्शकों के बीच इसे लेकर उत्साह बढ़ता जा रहा है। वहीं दूसरी ओर, इसके प्रमोशन का सिलसिला भी उतनी ही तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस कॉमेडी–ड्रामा फिल्म को प्रमोट करने के लिए इसके मुख्य कलाकार विक्की कौशल और एम्मी विर्क नवाबों के शहर लखनऊ पहुंचे। आनंद तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एम्मी विर्क एकदम नए अंदाज में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म 19 जुलाई , 2024 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म के प्रमोशन को लेकर दोनों कलाकारों ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाग लिया, जहाँ उन्होंने फिल्म, अपने किरदार और इसे लेकर अपने अनुभवों के बारे में पत्रकारों से बातचीत करते हुए खूब मौज–मस्ती की और एक–दूसरे के साथ काम करने के अपने अनुभव साझा किए। विक्की कौशल ने बताया कि अभी तक जितनी भी फिल्में की हैं, उनसे 'बैड न्यूज' काफी अलग है, क्योंकि इसमें मुझे कॉमेडी करने का मौका मिला है। हालांकि कॉमेडी करना इतना आसान नहीं होता है, लेकिन मैंने इसे स्वीकार करते हुए अपने आपको थोड़ा चेंज करने की कोशिश की है। साथ ही इसमें पहली बार मुझे एमी और तृप्ति के साथ काम करने का मौका मिला है। वहीं, पंजाबी एक्टर एमी विर्क ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि नए कॉन्सेप्ट पर बनी यह फिल्म दर्शकों को जरूर गुदगुदाएगी और पसंद आएगी। एमी ने कहा कि किसी फिल्म की कहानी ही उसे लोकप्रियता दिलाती है, इस फिल्म को भी इसकी कहानी भी हिट बनाएगी। इस फिल्म के लिए पूरी टीम ने खूब मेहनत की है। बैड न्यूज की कहानी एक ऐसी लड़की की है जो एक रेयर मेडिकल कंडीशन हेटरोपैटरनल सुपर फेकंडेशन का शिकार हो जाती है। इस कंडीशन की वजह से उसकी कोख में पल रहा बच्चा एक नहीं बल्कि दो अलग–अलग लड़कों का है। अब बच्चे का असली पिता कौन है इस सवाल पर लड़ाई शुरू होती है और डॉक्टर बताते है कि दोनों लड़के ही बच्चे के पिता हैं।

सीएमओ के निरीक्षण में पांच डाक्टर नदारत, वेतन रोकने के आदेश

सुल्तानपुर। मुख्य चिकित्साधिकारी डाक्टर ओम प्रकाश चौधरी के औचक निरीक्षण से जिले की सभी पीएचसी और सीएचसी पर हड़कंप मच गया है। लापरवाह डाक्टर व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों में सीएमओ का खौफ दिखाई पड़ रहा है। सूत्र बताते है की मुख्य चिकित्सा धिकारी डॉक्टर ओम प्रकाश चौधरी किसी की सुनते नही, लापरवाही करने वालों पर कार्रवाई करने में गुरेज नही करते,यही वजह है की एकबार जो हत्थे चढ़ा तो उसका निपटना तय है।अक्सर देखा गया है की डॉक्टर ओम प्रकाश चौधरी के साथ जो स्टाफ होता है उसे भी पता नही होता की जाना कहा है। अचानक किसी भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंच जाते है।स्टाफ को मौका भी नही मिल पाता की अपनी गलतियों को सुधार सके,यही कारण है की जिस डाक्टर या स्टाफ ने सीएमओ की कार्यशैली जान ली है। फिर वो जोखिम नही उठाता। क्योकि उसे पता है की डां. ओम प्रकाश चौधरी की कलम के नीचे आ गए तो बचना मुश्किल है। औचक निरीक्षण पर निकले मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर ओम प्रकाश चौधरी बिरसिंगपुर सौ शैय्या हास्पिटल पहुंचे। पहुंचते ही सारे अभिलेख तलब कर लिया। साथ ही उपस्थित पंजिका के सापेक्ष डाक्टर व स्टाफ की मौजूदगी की जांच की तो मौके पर तीन ईएमओ डॉक्टर मनीष कुमार केसरवानी,डाक्टर अद्वैत प्रताप सिंह,डाक्टर शिवराम मिश्रा,आर्थिक सर्जन डॉक्टर सोहन स्वरूप व डाक्टर भाष्कर प्रसाद अस्पताल से गायब मिले।मुख्य चिकित्साधिकाधिरी डाक्टर ओम प्रकाश चौधरी द्वारा पांचों डाक्टरों का वेतन रोकने का आदेश देते हुए स्पष्टीकरण नोटिस भी जारी कर दी गई। औचक निरीक्षण में वरिष्ठ सहायक हरिओम गुप्ता व अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे,डॉक्टर ओम प्रकाश चौधरी ने कहा कि सरकार मरीज और डाक्टर साथ ही समस्त कर्मचारियों को हर प्रकार की व्यवस्था दे रही है। फिर भी इतनी लापरवाही जो कतई स्वीकार नही है।

कल्याणी जन सेवा समिति के सहयोग से वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर के सैदनपुर में निर्माणाधीन धर्मराजी देवी वृद्धाश्रम एवं अनाथालय स्थल पर कल्याणी जन सेवा समिति के सहयोग से वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला उद्यान अधिकारी डॉ सीमा सिंह राणा उपस्थित रहीं।डॉ राणा ने सरकार द्वारा चलाए जा रहे किसानों के लिए विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपस्थित किसानों को देते हुए कहा कि किसान विभाग से विभिन्न योजना की जानकारी प्राप्त कर अनुदान पर कोई भी योजना का लाभ उठा सकते हैं सरकार उसके लिए अनुदान उपलब्ध कराती है। कल्याणी जन सेवा समिति द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि संस्था द्वारा वृद्ध ,विधवा, दिव्यांगों तथा अनाथों के उत्थान के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण हेतु समय–समय पर बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम किया जा रहा है जो की अत्यंत ही सराहनीय है। उपस्थित ग्रामवासियों का क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी समाज तक पहुंचाने का कार्य समाज सेवी संस्थाएं करती हैं। जो किसान किन्ही कारणों से विभाग से संपर्क नहीं कर सकते है कल्याणी जन सेवा समिति एनजीओ के माध्यम से संपर्क कर विभाग की योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित वरुणेश मिश्र जिला उद्यान निरीक्षक ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि एक पेड़ अपने मां के नाम है या अपने परिवारजन के नाम अवश्य लगाएं ।एक पेड़ लगाकर आप उसको पोषित करते हैं तो सौ पुत्र के समान आपको पुण्य प्राप्त होते हैं। संस्थापक डॉ नंद कुमार मौर्य मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि तथा उपस्थित लोगों का स्वागत कर आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभिन्न समाज सेवी संस्थाओं के संस्थापक आसरा द होप के सिराज भाई, नेकी घर से सर्वेश कुमार मौर्य संस्था के पदाधिकारी में अशोक राव सभाजीत यादव, रामजीत पांडे, अनिल पांडे, ध्यानचंद प्रजापति, घनश्याम मौर्य, रविंद्र कुमार मौर्य, जमुना प्रसाद मौर्य, विनोद कुमार मौर्य, राकेश कुमार उपाध्याय, आलोक कुमार यादव काफी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

डूबने से बचाव हेतु सुरक्षा के उपाय

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला प्रशासन ने डूबने से बचाव हेतु सुरक्षा के उपाय के सम्बन्ध में अवगत कराया है कि यदि तैरना न आता हो तो नदी, नहर, नाले, तालाब आदि में कदापि न जाएं एवं अपने स्वजन को भी जाने से रोकें। बच्चों को पुलिया एवं ऊंचे टीलों से पानी में कूद कर स्नान करने से रोकें। अति आवश्यक हो तो ही पानी में उतरें एवं गहराई का ध्यान रखें। ओवरलोडेड नौकाओं में न बैठें। कोशिश करें किसी नदी, पोखर, तालाब या जल स्रोत में सामूहिक रूप से स्नान करने जाते समय साथ में 10–15 मीटर लंबी रस्सी या धोती साड़ी अवश्य रखें। नदियों, नहरों, जलाशयों या अन्य जल स्रोतों के पास लिखी हुई चेतावनी की अवहेलना न करें। छोटे बच्चों को घाटों एवं जल स्रोतों के समीप न जाने दें। किसी के उकसावे में आकर पानी में छलांग न लगाएं। नदियों या अन्य जल स्रोतों के घाटों पर रीति–रिवाजों एवं संस्कारों का निर्वहन करते समय सावधानी बरतें।

सौंदर्य प्रसाधन कंपनी के निदेशकों पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में कोहना पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर चेन्नई की एक सौंदर्य प्रसाधन कंपनी और उनके निदेशकों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। लखनऊ के काकोरी क्षेत्र की रहने वाली महिला का आरोप है कि कंपनी ने फ्रेंचाइजी देकर व्यापार में सहयोग नहीं किया। इसकी वजह

से उन्हें करीब 1.25 करोड़ का नुकसान उठाना पड़ा। काकोरी निवासी मोनिका गुप्ता ने बताया कि उन्होंने चेन्नई की एक सौंदर्य प्रसाधन कंपनी केविन केयर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तिलकनगर में फ्रेंचाइजी ली थी। इसमें शोरूम बनाने और फ्रेंचाइजी लेने के नाम पर करीब 70 लाख रुपये खर्च हुए थे। आरोप है कि इसके बाद कंपनी ने अपने उत्पाद और कर्मचारियों का सहयोग देना बंद कर दिया। इसकी वजह से उन्हें करीब 1.25 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। मामले को लेकर मोनिका ने कोर्ट की शरण ली, जिसके बाद प्रमोटर निदेशक चिन्नीकृष्णन रंगनाथन,अमुधाबल्ली रंगनाथन,आर गोपाल कृष्णनन, अखिलेश्वर पांडेय समेत नौ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। एसीपी कर्नलगंज महेश कुमार ने बताया कि धोखाधड़ी और षडयंत्र रचने की धाराओं में रिपोर्ट दर्जकर जांच की जा रही है।

दहेज हत्या के आरोप में पिता पुत्र दोषी, आजीवन कारावास

देवबंद, संवाददाता। करीब साढ़े पांच साल पूर्व दहेज हत्या के आरोप में अदालत ने पिता पुत्र को दोषी ठहराया है। दोनों को आजीवन कारावास और 12–12 हजार रूपये के अर्थदंड से दंडित करने की सजा सुनाई गई। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता देवीदयाल शर्मा ने बताया कि थाना सरसावा के ग्राम बौंसा निवासी शिवचरण की पुत्री सुनीता की शादी 15 अप्रैल 2017 को नानौता के मोहल्ला छत्ता निवासी विवेक कुमार पुत्र उदेश कुमार के साथ हुआ था। शादी के बाद से ही सुनीता के ससुराल वाले उसे तंग परेशान करते थे। 27 नवंबर 2018 को सुनीता की ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। उसके भाई संदीप ने ससुराल वालों के खिलाफ जहरीला पदार्थ खिलाकर सुनीता की हत्या करने का आरोप लगाते हुए नानौता थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

परंतु पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण स्पष्ट नहीं होने से मृतका का विसरा जांच के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजा गया था। जहां सल्फास के सेवन से मृत्यु होना पाया गया था। विवेचना उपरांत पति विवेक कुमार, ससुर उदेश कुमार व सास वीना देवी के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया था। इस मामले का विचारण अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश देवबंद की अदालत में चल रहा था। लेकिन विचारण दौरान सास वीना देवी की मृत्यु हो गई थी। मंगलवार को अभियोजन व बचाव पक्ष की दलीले सुनने के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनीत कुमार वासवानी की अदालत ने विवेक कुमार व उदेश कुमार को दोषी ठहराते हुए उक्त सजा सुनाई है। अर्थदंड अदा न करने पर दोषियों को छह माह का अतिरिक्त कारावास भी भुगतना पडेगा।

संक्षिप्त खबरें

वृद्ध ने फंदा लगाकर दी जान, मौत से परिजनों में मचा कोहराम

बांदा, संवाददाता। बांदा में नशे की हालत में घर आए वृद्ध ने कमरा बंद कर फंदा लगाकर जान दे दी। किसी तरह कमरा खोलकर शव बाहर निकाला गया। देहात कोतवाली क्षेत्र के जमालपुर गांव निवासी शिवबली सिंह उर्फ बाबू सिंह (65) ने मंगलवार की शाम घर में कमरे के अंदर मफलर से खूंटी में फंदा लगा लिया। पत्नी साधना घरेलू काम कर रही थीं। जब वह कमरे में गईं तो दरवाजा बंद मिला। उन्होंने आवाज दी तो कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। तब पड़ोसियों को बुलाकर जंगले से दिखवाया तो वह फंदे से लटका मिला। बेटे सत्यम ने बताया कि पिता प्रतिदिन नशे में घर में आते थे। नशे में उन्होंने फंदा लगाया है। वह दो भाई हैं। छोटा भाई विनय दिल्ली में कमाता है। एक बहन की शादी हो चुकी है। देहात कोतवाली इंस्पेक्टर सुखराम सिंह ने बताया कि परिजन नशे में फंदा लगाने की बात कह रहे हैं। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। परिजन ठोस वजह नहीं बता पा रहे हैं।

बुलडोजर नीति के विरोध में एआईएमआईएम का प्रदर्शन

बांदा, संवाददाता। प्रदेश सरकार की बुलडोजर नीति और मुस्लिम, दलित वर्ग के लोगों को झूठे मामले में फंसाने आदि मुद्दों पर ऑल इंडिया मजलिसे इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने मंगलवार को यहां मंडल मुख्यालय में प्रदर्शन किया। राष्ट्रपति को संबोधित पांच सूत्री ज्ञापन कलक्ट्रेट में सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। जिलाध्यक्ष वाजिद अली के नेतृत्व में एआईएमआईएम कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन के बीच कलक्ट्रेट परिसर में अपनी मांगों वाले नारे लगाए। पार्टी हाईकमान की ओर से जारी निर्देश पर आयोजित प्रदर्शन में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश में मुसलिम, दलितों व गरीबों पर झूठे मुकदमे खत्म करने, आतंक और दहशत का खात्मा करने, नफरत फैलाने वालों पर कार्रवाई और मॉब लिचिंग की घटनाएं रोकने तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (2) के मामलों का निपटारा फास्ट ट्रैक कोर्ट से कराए जाने की मांगें शामिल रहीं। प्रदर्शन में जिला महासचिव मौलाना उमैर नदवी, नदीम अहमद खां मुन्ना, शमीम खां, सभासद हाफिज कासिम रजा, सचिव जियाउद्दीन सहित मो. नफीस, मो. तौसीब मोंटी, मो. नजीब, जीशान मसूदी, इब्राहीम खां कोर्रही, सचिन साहू दिघवट, राकेश आदि शामिल रहे।

ब्रेक लगाने पर पीछे से भिड़ा ट्रक, चालक की मौत

बांदा, संवाददाता। आगे चल रहे ट्रक चालक के ब्रेक लगाने से पीछे से आया ट्रक उसमें भिड़ गया। हादसे में पीछे चल रहे ट्रक के चालक की मौत हो गई। बाराबंकी जिले के साहेबा थाना क्षेत्र के पांडे पुरवा गांव निवासी शिवनारायण (19) हैदरगढ़ से मौरंग लेने के लिए बांदा आ रहा था। मंगलवार सुबह साढ़े तीन बजे करीब वह तिंदवारी थाना क्षेत्र से करीब 200 मीटर आगे पेट्रोल पंप के पास पहुंचा। तभी उसके आगे चल रहे ट्रक ने ब्रेकर में ब्रेक लगा दिया। जिससे शिवनारायण ट्रक समेत उसमें भिड़ गया। वह केबिन में ही फंस गया। बाद में वहां से गुजरे शिवनारायण की कंपनी के अन्य ट्रक चालकों ने उसे देखा तो उसके भाई रामप्रकाश व पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक चालकों की सहायता से उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। भाई रामप्रकाश ने बताया कि शिवनारायण अविवाहित था। घर में मां धनपत है। पिता साहिब बक्श भी ट्रक चालक हैं। तिंदवारी थानाध्यक्ष राधा कृष्ण तिवारी ने बताया कि सड़क हादसे में मौत हुई है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

बारिश के बाद उमस भरी गर्मी से परेशान रहे लोग

शामली, संवाददाता। बारिश के बाद मंगलवार को लोग उमस भरी गर्मी के कारण परेशान रहे। हालांकि आसमान में हल्के बादल भी छाए रहे। पिछले 24 घंटे में अधिकतम तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि सोमवार को 34 डिग्री सेल्सियस था। वहीं न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहा। पिछले दो दिन जिले के विभिन्न स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी और बारिश हुई थी, जिससे मौसम सुहावना हो गया। मंगलवार को दिन निकलते ही उसम भरी गर्मी रही। दोपहर के समय धूप निकलने के बाद लोग ज्यादा परेशान हुए। इसके अलावा कैराना, थानाभवन, जलालाबाद में भी उमस के कारण लोगों का हाल बुरा रहा।

21 ग्राम सचिवों को फिर से नोटिस किया जारी

शामली, संवाददाता। विकासखंड कैराना की 16 ग्राम पंचायतों में बिना टेंडर और कुटेशन के कार्य कराने के मामले में मंगलवार को डीपीआरओ ने फिर से 21 ग्राम सचिवों को दूसरा नोटिस जारी किया। तीन दिन के अंदर नोटिस का जवाब नहीं देने पर ग्राम सचिवों के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। चार साल पहले कोरोना काल के दौरान विकासखंड कैराना की 16 ग्राम पंचायतों में 94 विकास कार्य कराए गए थे। सभी विकास कार्यों में टेंडर व कुटेशन प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया था। मामले की जांच उत्तर प्रदेश पंचायती राज विभाग द्वारा कराई गई तो विकासखंड कैराना व कांधला में 204 कार्यों के लिए मैसर्स ऊषा कंस्ट्रक्शन कंपनी को करीब चार करोड़ से अधिक का भुगतान किया गया था।

डायल 112 के दफ्तर में वर्दी में छलकाए जाम, निरीक्षक समेत तीन पुलिसकर्मी निलंबित

शामली, संवाददाता। सोशल मीडिया पर तीन पुलिसकर्मियों का शराब पीने का वीडियो वायरल हो रहा है। यह वीडियो डायल 112 कार्यालय का बताया गया है। पुलिस अधीक्षक रामसेवक गौतम ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए निरीक्षक और दो मुख्य आरक्षियों को निलंबित कर दिया। इस प्रकरण की प्रारंभिक जांच अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह को सौंपी है। बुधवार को सोशल मीडिया पर पुलिसकर्मियों का शराब पीते वीडियो वायरल होने से पुलिस विभाग में हलचल मच गई। वहीं लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। वायरल वीडियो में दो पुलिसकर्मी वर्दी में और एक पुलिसकर्मी सादे कपड़ों में बैठे हुए हैं और शराब का सेवन करते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान मेज पर बोतल व कुछ खाने का सामान भी रखा हुआ दिखाई दे रहा है। वायरल वीडियो डायल 112 के कार्यालय में पुलिसकर्मियों का बताया जा रहा है।

इन पुलिसकर्मियों पर हुई कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक रामसेवक गौतम ने बताया वायरल वीडियो की जांच कराई गई। वीडियो पुराना पाया गया है। इस प्रकरण में डायल 112 के निरीक्षक संजीव कुमार, मुख्य आरक्षी अनुज कुमार और मुख्य आरक्षी अश्वनी कुमार को निलंबित कर दिया गया है। इस प्रकरण की प्रारंभिक जांच अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह को सौंपी गई है।

घुड़चढ़ी में छतों से पथराव, लाठी-डंडों से बरातियों को पीटा, डीजे में तोड़फोड़, मुकदमा दर्ज हुआ

अलीगढ, संवाददाता। 15 जुलाई की रात गांव भोजपुर में अनुसूचित जाति के एक युवक की घुडचढ़ी के दौरान कुछ लोगों ने छतों से पथराव किया। विरोध करने पर लाठी–डंडों से भी बरातियों को पीटा। डीजे में भी तोड़फोड़ की। रात में ही तीन घायलों का डॉक्टरी परीक्षण कराया। इसके बाद दूसरे पक्ष से भी थाने में तहरीर पहुंच गई। दोनों पक्षों से रिपोर्ट दर्ज करने के साथ ही गांव में पुलिस पिकेट तैनात कर दी गई है। भोजपुर गांव निवासी अनिल कुमार पुत्र स्व. ज्ञान सिंह के अनुसार 15 जुलाई को उनकी बहन रेनू की बरात बुलंदशहर जनपद के खुर्जा थाना क्षेत्र के गांव बलदाऊ से आई थी। रात करीब साढ़े 11 बजे घुड़चढ़ी के दौरान बरात ठाकुर समाज के मोहल्ले में पहुंचे विजय पुत्र सुरेंद्र, कपिल व विशाल पुत्रगण दुष्यंत, भोला पुत्र ओमप्रकाश और योगेंद्र सहित 10–12 अज्ञात लोगों ने छतों से पथराव शुरू कर दिया।

डीजे में तोड़फोड़

इससे बरात में भगदड़ मच गई। पथराव का विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी–डंडों से पीटा। गली की लाइट तोड़कर डीजे वाहन में तोड़फोड़ की। इसमें परिवार के प्रदीप, पवन, दीपक और जीवन के चोटें आई हैं। अनिल की तहरीर पर पुलिस ने नामजदों समेत अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं देर रात दूसरे पक्ष से बृजेश कुमार पुत्र ओमप्रकाश सिंह ने भी तहरीर दी गई। इसमें राजू पुत्र मान सिंह, राहुल पुत्र ज्ञान सिंह, प्रवीन कुमार पुत्र विजय सिंह, सचिन पुत्र मनवीर सिंह समेत 10–12 अज्ञात पर बरात चढ़त के दौरान गाली–गलौज और पथराव करने का आरोप लगाया गया। कहा इससे उनके सिर पर चोट आई है।

घर के बाहर खड़ी बाइक भी आरोपियों ने क्षतिग्रस्त कर दी। उनकी तहरीर पर भी चार नामजद समेत अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने बृजेश का मेडिकल करा दिया है।

पुलिस सुरक्षा में निकली अनुसूचित जाति की दूसरी बरात

इसी गांव में जाटव समाज के राजू सिंह की बेटी संतोषी की भी 15 जुलाई की रात मथुरा रोड स्थित गांव पीपल नगला से बरात आई थी। दोनों बरात चढ़त में एक घंटे का अंतर रखने का आपस में समझौता हो गया था। जब पहली बरात में पथराव और मारपीट हुई तो पुलिस पहुंच गई थी। इसके बाद पुलिस की सुरक्षा में दूसरी बरात चढ़त की रस्म अदा हुई।

एक दिन पहले की थी ऑनलाइन शिकायत

अनुसूचित जाति पक्ष के राजू सिंह के अनुसार शादी की तैयारी के लिए 14 जुलाई को ट्रैक्टर से टेंट का सामान आया था। उस समय भी दूसरे पक्ष के कुछ लड़कों ने उनके दरवाजे से ट्रैक्टर निकलने पर नोकझोंक की थी। इससे उन्हें शादी के समय विवाद की आशंका हुई थी।

अधिकारियों की लचर कार्य शैली से चढ़ा डीएम का पारा

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में सीएम डैशबोर्ड और विकास कार्यों की समीक्षा में डीएम भानुचंद्र गोस्वामी ने ढिलाई बरतने वाले आठ अधिकारियों का वेतन रोक दिया है। इसमें उपायुक्त एनआरएलएम, संयुक्त आयुक्त उद्योग, उपायुक्त उद्योग, बीएसए, एबीएसए, दुग्ध संघ प्रबंधक, डीपीआरओ और एडीपीआरओ का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। डीएम ने पीएम किसान सम्मान निधि में लंबित तीन हजार आवेदनों के 25 जुलाई तक निस्तारण के निर्देश दिए। एनआरएलएम बैंक क्रेडिट लिंकेज में आगरा में 4913 के मुकाबले केवल 819 का बैंक क्रेडिट लिंकेज किया गया है।

डीएम ने उपायुक्त एनआरएलएम का वेतन रोकने के आदेश दिए। पराग डेयरी की समीक्षा में दूध के मूल्य का भुगतान न करने पर नाराजगी जताई और दुग्ध संघ प्रबंधक के वेतन पर रोक लगा दी। समीक्षा में मॉडल ग्रामपंचायत में सी ग्रेड, स्वच्छ भारत में डी ग्रेड आने पर डीएम ने डीपीआरओ, एडीपीआरओ का वेतन भी रोक दिया है। इसी तरह ओडीओपी टूल किट, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में लापरवाही पर संयुक्त आयुक्त उद्योग और उपायुक्त उद्योग का वेतन रोका। निपुण परीक्षा में ग्रेडिंग डी होने पर डीएम ने खंड शिक्षा अधिकारी और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी का वेतन अगले आदेशों तक रोक दिया है। बैठक में सीडीओ प्रतिभा सिंह, सीएमओ डॉ. अरुण श्रीवास्तव, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ.एमपी सिंह आदि मौजूद रहे।

कोर्ट में सरेंडर करेगा पूर्व मंत्री का भगोड़ा नाती

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में फरार चल रहे पूर्व मंत्री उदयभान सिंह के नाती दिव्यांश चौधरी ने मंगलवार को आत्म समर्पण के लिए प्रार्थनापत्र दिया है। कोर्ट ने संबंधित थाने से आख्या मांगते हुए 19 जुलाई की तिथि नियत कर दी है। जयपुर हाउस में कारोबारी की बेटी और कारोबारी पर कार चढ़ाकर जान से मारने की कोशिश का मामला है। पूर्व मंत्री उदयभान सिंह का नाती इस मामले में काफी समय से फरार चल रहा है। अप्रैल में उसके विरुद्ध जयपुर हाउस के रहने वाले कारोबारी की बेटी ने जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज कराया है। आरोपी कार चढ़ाते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ था। इस मामले में सत्ताधारी दल के नेताओं के दबाव के कारण पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया। पीड़िता के पक्ष में पंजाबी समाज के लामबंद होने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ

मुकदमा तो दर्ज किया मगर गिरफ्तारी नहीं की। इसके बाद फरार आरोपी की कार बरामद कर ली। आरोपी ने मुकदमे को चुनौती देने के लिए हाईकोर्ट में याचिका पेश की, मगर उसे भी खारिज कर दिया गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कुर्की की प्राथमिक कार्रवाई शुरू कर दी थी।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे डीएम, बोले– पीड़ितों को मिलेंगे योजना के आवास

फर्रुखाबाद, संवाददाता। फर्रुखाबाद के अमृतपुर में जिलाधिकारी ने मंगलवार को राजेपुर के बाढ़ क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने कड़क्का बांध व अलादपुर भटौली की हकीकत देखी। उन्होंने रामगंगा नदी के किनारे झोपड़ी में रह रहे आठ परिवारों को प्रधानमंत्री योजना के आवास देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी डॉ.वीके सिंह, पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने राजेपुर क्षेत्र के गांव डबरी से होते हुए कड़क्का तक भ्रमण किया। उन्होंने रामगंगा नदी के किनारे बसे गांव अलादपुर भटौली पहुंचकर सिंचाई विभाग द्वारा बनाया गया तटबंध देखा। डीएम ने नदी के किनारे रह रहे आठ परिवारों से पूछताछ कर समस्याओं की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि एक वर्ष पूर्व उन्हें रहने के लिए भूमि दी गई थी। उसे तीन दिन पूर्व ही लेखपाल ने नाप कर कब्जा दिलाया है। डीएम ने पूछा कि वह लोग जगह मिलने के बाद घर क्यों नहीं बना रहे हैं। इस पर कुछ ग्रामीणों ने रुपये न होने तो किसी ने बारिश होने की बात कही। इस पर डीएम ने बीडीओ अतुल राठौर को निर्देश दिए कि कटान से प्रभावित आठ परिवारों का सर्वे करें। पात्रों को आवास दिए जाएं। जिनके आवास बाढ़ में कट गए, उन्हें मुआवजा दिया जाए। डीएम ने एडीओ पंचायत अजीत पाठक को गांव में रुककर सभी पात्र व्यक्तियों की सूची बनाकर आवास उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार मिश्र, सीएमओ अवनींद्र कुमार, एडीएम सुभाष चंद्र प्रजापति, एसडीएम अतुल कुमार सिंह, तहसीलदार करमवीर सिंह मौजूद रहे।

रामगंगा का जलस्तर 10 सेमी. घटकर चेतावनी बिंदु के नीचे पहुंचा

रामगंगा नदी के जल स्तर में दूसरे दिन भी गिरावट आई है। रामगंगा नदी का जलस्तर चेतावनी बिंदु 136.60 मीटर से 10 सेमी घटकर 136.50 मीटर पर आ गया है। जलस्तर कम होने से गांवों में भरा बाढ़ का पानी निकल गया है। खो हरेली रामनगर बैराज से 779 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। रामगंगा का जलस्तर कम होने से गांव कोलासोता के पास कटान होने लगा है। गांव गुलरिया, चपरा नीचे वाला, हीरानगर, खघखिन आदि गांव के रास्ते से पानी निकल जाने से आवागमन चालू हो गया है। वहीं गंगा के जलस्तर में 5 सेमी की गिरावट आई। गंगा का जलस्तर 135.35 से घटकर 135.30 मीटर पर पहुंचा गया। नरौरा बांध से गंगा में 25060 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है।

कांवड़ियों के लिए पांचाल घाट पर बेरीकेडिंग व सफाई कराने के निर्देश

सावन में कांवड़ यात्रा व गंगा स्नान को देखते हुए जिलाधिकारी ने मंगलवार को पांचाल घाट व हाईवे का निरीक्षण किया। उन्होंने गंगा स्नान के लिए बैरिकेडिंग कराने, गहरे पानी में स्नान प्रतिबंधित होने का चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी डॉ.वीके सिंह व पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने सावन में निकलने वाली कांवड़ यात्रा व गंगा स्नान को देखते हुए पांचालघाट का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि नगर मजिस्ट्रेट संजय कुमार बंसल व सीओ सिटी प्रदीप सिंह अपनी देख–रेख में पांचालघाट गंगा तट पर स्नान वाले क्षेत्र में दोनों तरफ बैरिकेडिंग कराएं। जिन स्थानों पर पानी गहरा है, वहां स्नान प्रतिबंधित है के चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं। घाट पर प्रकाश व सफाई की व्यवस्था ग्राम पंचायत की ओर से की जाएगी। चौराहे से घाट तक प्रकाश व सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी नगर पालिका को सौंपी गई है। डीएम ने गंगा के दोनों तरफ उद्घोषणा करने के लिए माइक और लाउडस्पीकर लगाने के निर्देश दिए।

हाईवे पर गड्ढे भरने के निर्देश

जिलाधिकारी ने पांचालघाट से रामगंगा पुल तक हाइवे का निरीक्षण किया। उन्हें हाईवे के गहरे गड्ढों से होकर गुजरना पड़ा। सावन में कांवड़ियों के जत्थों की सुरक्षा को देखते हुए जिलाधिकारी ने एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिए कि हाईवे के दोनों ओर पटरी सही कराने के साथ सड़क के गड्ढे भरे जाएं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को यात्रा के दौरान डबरी, जमापुर मोड़, राजेपुर व अमृतपुर पर 24 7 मेडिकल शिविर संचालित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीडीओ अरविंद कुमार मिश्र, सीएमओ डॉ.अवनींद्र कुमार, एडीएम सुभाष चंद्र प्रजापति, डीडीओ श्याम कुमार तिवारी मौजूद रहे।

बीईओ ने गांव में घूमकर छह बच्चों का कराया नामांकन

मेरठ, संवाददाता। स्कूल चलो अभियान के तहत शिक्षकों ने गांव में घूमकर शिक्षा से वंचित बच्चों का नामांकन कराया। साथ ही परिजनों को शिक्षा का महत्व समझाया। थानाभवन खंड शिक्षा अधिकारी राहुल धामा बाबरी गांव में रहने वाले घुमंतू परिवार के बीच में पहुंचे। खंड शिक्षा अधिकारी को जानकारी मिली थी कि घुमंतू परिवार के बच्चे शिक्षा से वंचित हैं। मंगलवार को राहुल धामा ने उनसे बातचीत करते हुए बताया कि जीवन में शिक्षा का होना अमूल्य है। शिक्षा के बिना जीवन पशु के समान है।

विश्वविद्यालय कैंपस में महिला असिस्टेंट प्रोफेसर के गले पर चाकू रख लाखों का माल लूटा

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में कल्याणपुर सर्किल में पुलिस के लिए चुनौती बन चुके लुटेरों ने एक बार फिर एक महिला को अपना निशाना बनाया। हालांकि इस बार सड़क की बजाय सुरक्षित माने जाने वाले छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के कैंपस के अंदर रहने वाली महिला असिस्टेंट प्रोफेसर के घर में घुसकर लुटेरे ने लूटपाट की। लूटपाट के दौरान बदमाश ने विरोध करने पर प्रोफेसर व बच्चों को जान से मारने की धमकी भी दी। फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज कर लुटेरों की तलाश शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कल्पना अग्निहोत्री विश्वविद्यालय के कैंपस में ही परिवार के साथ शिक्षक आवास में रहती हैं। कल्पना के मुताबिक रविवार सुबह करीब छह बजे एक नकाबपोश ने उनका दरवाजा खटखटाया। दरवाजा खोलते ही बदमाश उनके गले पर चाकू रख घर के अंदर दाखिल हो गया। इस दौरान उन्होंने हल्का विरोध करने का प्रयास किया तो लुटेरे ने उन्हें व बच्चों को जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद उसने अंगूठी, मोबाइल, लैपटॉप, डेबिट कार्ड, कैश, गाड़ियों की चाबी समेत अन्य कीमती सामान लूट लिया और माल लेकर फरार हो गया। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

कैंपस की सुरक्षा में लगे हैं 350 सुरक्षा कर्मी

सूत्रों के अनुसार विश्वविद्यालय के अंदर की सुरक्षा का जिम्मा एक निजी कंपनी के करीब साढ़े तीन सौ सुरक्षाकर्मियों के जिम्मे है। इनपर विश्वविद्यालय प्रशासन सालाना करीब चार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च करता है। साथ ही पूरे कैंपस में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके बावजूद परिसर के अंदर सुबह एक महिला प्रोफेसर से लूट की वारदात को अन्जाम देने के बाद लुटेरा आराम से फरार हो गया।

डीसीपी–एसीपी का कार्यालय भी है कैंपस में

विश्वविद्यालय के कैंपस में एडीसीपी पश्चिम व एसीपी कल्याणपुर का भी कार्यालय है। इन कार्यालयों में सुबह से देररात तक भारी संख्या में पुलिस कर्मी मौजूद रहते हैं। हालांकि कैंपस के अंदर की सुरक्षा निजी कर्मियों के हवाले होने की वजह से कार्यालय बंद होने के बाद पुलिस कर्मी नहीं रहते। कल्याणपुर सर्किल के रावतपुर व कल्याणपुर थानाक्षेत्र में पिछले कुछ समय में एक के बाद एक कई लूट की वारदातें सामने आई हैं। इन मामलों में लुटेरों ने महिलाओं को ही निशाना बनाया है। पत्रकार की मां, कानपुर कोर्ट के पेशकार व शिक्षक की पत्नी समेत कई महिलाओं के साथ लूटपाट की वारदातें हुई। पुलिस हर मामले में सीसीटीवी फुटेज खंगालने की बात कर रही है लेकिन कई घटनाओं का पुलिस अभी तक खुलासा नहीं कर सकी है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।